हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 02 • अंक 113 • पृष्ठ 8 • शनिवार 14 मई 2022 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

संक्षिप्त समाचार

पंचायत चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान कल

रांची। पंचायत चुनाव के पहले चरण में राजधानी रांची जिले के 4 प्रखंडों में मतदान 14 मई को होना है। उन चार प्रखंडों में मुखिया, वार्ड सदस्य, पंचायत समिति सदस्य एवं जिला परिषद सदस्य के पद के लिए मतदान होगा। राज्य चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार उन पदों के लिए 888 प्रत्याशी मैदान में हैं। पहले चरण में रांची जिले के तमाड़, बुंडू, सोनहातू और राहे के कुल 57 पंचायत में चुनाव होना है। प्रथम चरण के चुनाव को लेकर तमाड़, बुंडू, सोनहातू और राहे के 57 पंचायतों के 648 मतदान केंद्रों में चुनाव के लिए 2592 मतदान कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। जबकि 5335 पुलिसकर्मियों की भी ड्यूटी लगाई गई है। उन चार प्रखंडों में 7 जिला परिषद, 65 पंचायत समिति सदस्य, 57 मुखिया और 648 वार्ड सदस्य पद के लिए चुनाव होगा। मतदान सुबह 7 बजे से शुरू होगा उन चारों प्रखंडों में गुरुवार की शाम प्रचार थम गया है। मोरहाबादी स्थित डिस्पैच सेंटर पर उपायुक्त छवि रंजन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र झा ने सेक्टर मजिस्ट्रेट और पुलिस पदाधिकारी पुलिस पदाधिकारियों की ब्रीफिंग की। उपायुक्त ने कहा कि मतदान सुबह 7 से अपराहन 3 बजे तक संपन्न होगा।निष्पक्ष मतदान के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि निर्भीक और निष्पक्ष एवं भेदभाव रहित मतदान कार्य संपन्न कराने का निर्देश भी दिया गया है।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

52,793.62–136.69 (0.26%)

निफ्टी

15,782.15–25.85 (0.16%)

दैनिक पंचांग

तिथिः द्वादशी - 05:27 पी एम तक
नक्षत्रः हस्त - 06:48 पी एम तक
योगः वज्र - 03:42 पी एम तक
करणः बव - 06:14 ए एम तक
द्वितीय करणः बालव - 05:26 पी एम तक
क्षय करणः कौलव - 04:29 ए एम, मई 14 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः शनिवार

कांग्रेस में तत्काल बदलाव समय की मांगः सोनिया गांधी

नई दिल्ली/एजेंसी।

आज शुक्रवार से उदयपुर, राजस्थान में कांग्रेस का तीन दिवसीय चिंतन शिविर शुरू हो चुका है। आज कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपने संबोधन में कांग्रेस पार्टी में तत्काल बदलाव की जरूरत को व्यक्त किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि 'संगठन में बदलाव समय की मांग है।

सोनिया गांधी ने कहा कि हमें अपने काम करने के तरीके को बदलने की जरूरत है। हमें संगठन को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से ऊपर रखना होगा क्योंकि पार्टी ने हमें बहुत कुछ दिया है और इसे चुकाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, ₹मैं अपने सहयोगियों से आग्रह करती हूं कि वे शिविर में खुलकर अपने विचार व्यक्त करें। देश को देखना चाहिए कि हम एक मजबूत और एकजुट पार्टी हैं।

इसके साथ ही सोनिया गांधी मोदी सरकार पर भी जमकर बरसीं। उन्होंने कहा कि अब तक यह स्पष्ट हो गया है कि पीएम मोदी और उनके सहयोगियों का वास्तव में उनके 'अधिकतम शासन, न्यूनतम सरकार' के नारे से क्या मतलब है। इसका मतलब है कि देश को ध्रुवीकरण की स्थायी स्थिति में रखना, लोगों को लगातार भय और असुरक्षा की स्थिति में रहने के लिए मजबूर करना, अल्पसंख्यकों को शातिर तरीके से निशाना बनाना और अक्सर उन पर अत्याचार करना जो हमारे समाज का अभिन्न अंग हैं और हमारे गणतंत्र के समान नागरिक हैं।

सोनिया गांधी ने कहा कि ऐसा माहौल पैदा किया गया है कि लोग लगातार डर और असुरक्षा के भाव में रहें। अल्पसंख्यकों को शातिर तरीके से क्रूरता के साथ निशाना बनाया जा रहा है। अल्पसंख्यक हमारे समाज का अभिन्न अंग हैं और हमारे देश के समान नागरिक हैं।

सोनिया गांधी ने कहा कि भाजपा और फ्रर की नीतियों के कारण देश जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है, उसपर विचार करने के लिए ये शिविर एक बहुत अच्छा अवसर है। ये देश के मुद्दों पर चिंतन और पार्टी के सामने समस्याओं पर आत्मचिंतन दोनों ही है।

» उच्च शिक्षा मंत्री के विवादित बोल

हिन्दी बोलने वाले हमारे यहां पानीपुरी बेच रहे हैं...

चैन्नई/एजेंसी। तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री पोनमुडी ने हिन्दी भाषा को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि एक भाषा के रूप में हिन्दी की तुलना में अंग्रेजी अधिक मूल्यवान है। दावा किया कि हिन्दी बोलने वाले तो पानीपुरी बेच रहे हैं। हिन्दी को वैकल्पिक होना चाहिए न कि अनिवार्य।'

हिन्दी भाषा को लेकर देश में छिड़े संग्राम में तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री पोनमुडी भी कूद गए हैं। शुक्रवार को भारथिअर विश्वविद्यालय कोयंबटूर में एक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एक भाषा के रूप में अंग्रेजी हिन्दी के बजाय ज्यादा मूल्यवान है। हिंदी बोलने वाले लोग नौकरियों में लगे हुए हैं। तंज कसते हुए कहा कि हिंदी बोलने वाले तो कोयंबटूर में पानीपुरी बेच रहे हैं।

पोनमुडी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लाभकारी पहलुओं को लागू करने का वादा किया, लेकिन दावा किया कि राज्य सरकार केवल दो-भाषा प्रणाली को लागू करने के लिए दृढ़ है। दीक्षांत समारोह में तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के साथ मंच साझा करते हुए, उन्होंने सवाल किया कि हिंदी क्यों सीखनी चाहिए, जबकि अंग्रेजी एक अंतरराष्ट्रीय भाषा पहले से ही सिखाई जा रही है।

पोनमुडी ने दावा किया कि तमिलनाडु भारत में शिक्षा प्रणाली में सबसे आगे है और कहा कि तमिल छात्र किसी भी भाषा को सीखने के लिए तैयार हैं। हालांकि, हिंदी केवल एक वैकल्पिक भाषा होनी चाहिए न कि अनिवार्य नहीं। पोनमुडी ने व्यंग्यात्मक रूप से यह व्यक्त किया कि अंग्रेजी हिंदी से अधिक मूल्यवान है और दावा किया कि हिंदी भाषी नौकरी कर रहे हैं।

पोनमुडी ने कहा, ₹वे कहते थे कि अगर आप हिंदी पढ़ते हैं, तो आपको नौकरी मिलेगी? क्या ऐसा है! आप कोयंबटूर में देख सकते हैं कि अब पानी पुरी कौन बेच रहा है? एक समय ऐसा ही था। अब अंग्रेजी अंतरराष्ट्रीय भाषा है''।

सुमन ने खोले आईएएस पूजा सिंघल के कई राज

बड़े लोगों तक पहुंची ईडी जांच की आंच

रांची/एजेंसी।

मनरेगा घोटाले में पूजा सिंघल की भूमिका से शुरू हुई जांच की आंच बड़े बड़े लोगों तक पहुंचने लगी है। रिमांड पर लेकर पूछताछ किए जाने के दौरान सीए सुमन कुमार ने आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल के बीते एक दशक के वित्तीय प्रबंधन व उससे जुड़े राज की जानकारी ईडी को दी है। सुमन ने बताया है कि बरामद 19.31 करोड़ का सबसे बड़ा हिस्सा पूजा सिंघल का था।

ईडी ने कोर्ट को सौंपे दस्तावेज में बताया है कि वर्तमान केस में जांच के दौरान कई तथ्य सामने आ रहे हैं। अब ईडी की टीम उन लोगों तक पहुंचने में जुटी हैं जो पूजा सिंघल के अपराध से अर्जित पैसों से लाभान्वित हुए हैं। साथ ही जिनकी मिलीभगत या संलिप्तता इसमें रही है। ईडी को अबतक की जांच में ऐसे कुछ नामों का पता चला है जो पूजा सिंघल से लाभान्वित हुए हैं। यही वजह है कि ईडी अब सुमन और पूजा सिंघल को आमने-सामने रख जांच व पूछताछ में फोकस कर रही है ताकि आपराध से अर्जित पैसों से किस-किस को हिस्सा मिलता था, यह जानकारी जुटायी जा सके। ईडी उन दूसरे लोगों तक भी पहुंचेगी जिनका पैसा सुमन के घर पर मिला था।

ईडी ने जानकारी दी है कि वह पूरे मामले में चल और अचल संपत्ति अर्जित किए जाने के पहलुओं पर जांच कर रही है। ईडी यह जांच रही है कि पूजा सिंघल और सुमन कुमार ने कहां-कहां जमीन व दूसरी चीजों में निवेश किया। इन संपत्तियों को भी ईडी जब्त करेगी। वहीं सुमन ने बताया है कि पल्स अस्पताल की जमीन की खरीद के लिए करोड़ों का भुगतान सरावगी बिल्डर्स के गणेश सरावगी व आलोक सरावगी को किया गया था।

ईडी अधिकारियों के मुताबिक, छापेमारी के दौरान सीए सुमन के यहां से कई डिजिटल उपकरण, उसके कार्यालय का सर्वर भी जब्त किया गया है। साथ ही भारी मात्रा में कागजात जब्त हुए थे। इन सारी चीजों की काफी सूक्ष्मता से जांच की जा रही है।

ईडी को मनरेगा घोटाले में मनी लाउंड्रिंग के पूरे साक्ष्य पूजा सिंघल के खिलाफ मिले हैं।

पटनाः सहारा के चेयरमैन सुब्रत राय के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी

पटना/एजेंसी।

सहारा इंडिया के चेयरमैन सुब्रत राय के खिलाफ पटना हाई कोर्ट ने गिरफ्तारी का वारंट जारी कर दिया है। शुक्रवार को पटना हाईकोर्ट में उनकी सशरीर पेशी होनी थी, लेकिन, वह कोर्ट में नहीं पहुंचे। इस बात से नाराज होकर पटना हाई कोर्ट ने बिहार, दिल्ली और उत्तरप्रदेश के डीजीपी को सुब्रत राय को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति संदीप कुमार की एकल पीठ ने 27 अप्रैल को पिछली सुनवाई के दौरान उन्हें 11 मई को शारीरिक रूप से हाई कोर्ट के समक्ष पेश होने और यह बताने का निर्देश दिया था कि वह निवेशकों का पैसा कैसे लौटा सकते हैं। चूंकि वह 11 मई को पटना नहीं आ सके, इसलिए मामले को 12 मई के लिए स्थगित कर दिया गया।

पटना हाईकोर्ट ने 27 अप्रैल को सुनवाई के दौरान सहारा इंडिया के वकील उमेश प्रसाद सिंह से कहा था कि सहारा इंडिया बिहार के निवेशकों का पैसा कैसे लौटाएगी, इस पर विस्तृत रिपोर्ट पेश करें। जवाब में सिंह ने निवेशकों की राशि वापस करने के लिए कुछ वैकल्पिक तरीके बताए थे, लेकिन न्यायमूर्ति संदीप कुमार ने इसमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। उन्होंने वकील से दृढ़ता से कहा कि अदालत सुब्रत रॉय के और बहाने बर्दाश्त नहीं करेगी। वर्तमान में, सहारा इंडिया की कथित धोखाधड़ी से संबंधित 2000 से अधिक मामले पटना हाई कोर्ट में दायर किए गए हैं। हालांकि ठगे गए लोगों की वास्तविक संख्या लाखों में है। इनमें से कई की पहले ही मौत हो चुकी है।

कश्मीर में टारगेट किलिंग

पुलवामा में पुलिसकर्मी को आतंकियों ने मारी गोली

पुलवामा/एजेंसी।

कश्मीर में आतंकियों ने 15 घंटे के भीतर टारगेट किलिंग की दूसरी घटना को अंजाम दिया है। पुलवामा में शुक्रवार सुबह दहशतगर्दों ने घर में घुसकर पुलिसकर्मी को गोली मार दी। इसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया है। स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बताया कि रियाज अहमद ठोकर अपने घर गुदूरा में मौजूद थे। इस बीच कुछ आतंकियों ने उन पर फायरिंग कर दी। इसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। तुरंत ही उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है आतंकवादियों की तलाश में सुरक्षाबलों ने अभियान शुरू कर दिया है। इससे पहले बडगाम में गुरुवार शाम को दफ्तर में घुसकर कश्मीरी पंडित कर्मचारी राहुल भट्ट की हत्या कर दी थी।

● क्या है मामला

» बडगाम में गुरुवार शाम आतंकियों ने चडूरा तहसीलदार ऑफिस के क्लर्क राहुल भट्ट को ऑफिस में घुसकर गोली मार दी। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी मौत हो गई। आज यानी शुक्रवार को पुलवामा के गुदूरा में आतंकियों ने रढड रियाज अहमद थोकर पर फायरिंग कर दी। अस्पताल में उनकी मौत हो गई। डीआईजी दक्षिण कश्मीर रेंज अब्दुल जब्बार ने बताया कि रियाज छुट्टी पर था और अपने बच्चे की स्कूल बस का इंतजार कर रहा था। इस दौरान दो अज्ञात बाइक सवारों ने उस पर कथित तौर पर गोलियां चला दीं।

● राहुल भट्ट के अंतिम संस्कार में उमड़ी भीड़

» राहुल भट्ट का शुक्रवार सुबह बनतालाब में अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान जम्मू के एडीपीजी मुकेश सिंह, डिविजनल कमिश्नर रमेश कुमार, डिप्टी कमिश्नर अवनी लवासा सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। वहीं, मौके पर पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र रैना का लोगों ने विरोध किया।

चुनाव को लेकर एसडीओ ने जारी किया दिशा निर्देश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। अनुमंडल पदाधिकारी महेश्वर महतो ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग, झारखण्ड राँची द्वारा प्रकाशित अधिसूचना ज्ञापांक 0नि0/पं0-154/2022 रा0नि0आ0-541, राँची, दिनांक-09.04.2022 द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन-2022 की घोषणा की गई है, जो दुमका अनुमंडल अंतर्गत रामगढ़-02,गोपीकान्दर-03,काठीकुण्ड-04,शिकारीपाड़ा-10,दुमका-05,मसलिया-08,रानेश्वर-09,सरैयाहाट-01, जामा-06, एवं जरमुण्डी-07 में होना है। तदनुसार रामगढ़-02, गोपीकान्दर-03, काठीकुण्ड-04, शिकारीपाड़ा-10 में मतदान की तिथि 14.05.2022 तथा मतगणना की तिथि17.05.2022 निर्धारित की गई है। ज्ञातव्य हैं कि निर्वाचन की अधिसूचना निर्गत होते ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो जाता है। निर्वाचन की घोषणा के साथ ही इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है कि त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन में विभिन्न उम्मीदवारों के समर्थक अन्य उम्मीदवारों के समर्थकों से आपस में विवाद तथा कमजोर वर्ग के मतदाताओं में भय उत्पन्न कर सकते है। साथ ही, धनबल, बाहुबल के प्रभाव में निर्वाचन प्रक्रिया के क्रम में कटुतावश परस्पर लड़ाई-झगड़ा कर विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न कर सकते है।कहा कि निर्वाचन अवधि में निष्पक्षता, पारदर्शिता तथा शांति एवं विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए मतदान केन्द्र के समीप की गति विधियों के संदर्भ में उपरोक्त तथ्यों से पूर्ण संतुष्ट होकर संपूर्ण रामगढ़-02, गोपीकान्दर-03,काठीकुण्ड-04, शिकारीपाड़ा-10 त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन क्षेत्रान्तर्गत चुनाव प्रक्रिया समाप्ति होने तक दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के तहत प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए निम्नांकित आदेश लागू रहेगा।पाँच या पाँच से अधिक व्यक्ति समूह बनाकर बगैर अनुमति इकट्ठा नहीं होंगे (बाजार, हाट, धार्मिक स्थल तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठान छोड़कर)। कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का घातक हथियार यथा-लाठी, भाला, गड़ासा तीर-कमान, किसी भी प्रकार का आग्नेयास्त्र अथवा विस्फोटक पदार्थ लेकर न तो एकत्रित होगें न ही नाजायज मजमा लगायेंगे तथा इन हथियारों के साथ जनप्रदर्शन नहीं करेंगे।किसी भी प्रकार का चुनाव जुलुस या चुनाव सभा प्रचार प्रसार नहीं किया जा सकेगा। यद्यपि व्यक्तिगत संपर्क एवं डोर टू डोर केम्पनिन्ग किया जा सकेगा। मतदान केन्द्र के भीतर या मतदान केन्द्र के परिसर में नाजायज मजमा लगाना, ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग करना तथा उत्तेजक नारे लगाना वर्जित होगा। मतदान केन्द्र के 100 मीटर के अंदर प्रचार प्रसार वर्जित रहेगा। मतदान केन्द्र के 100 मीटर के अन्दर चुनाव कार्य में लगे कर्मियों के अतिरिक्त अन्य हेतु मोबाईल फोन कार्डलेस फोन, वायरलेस सेट प्रतिबंधित होगा। मतदान केन्द्र के 100 मीटर के अन्दर लाडस्पीकर,मेगाफोन आदि का प्रयोग मतदान को प्रभावित करने उत्तेजना फैलाने, प्रचार प्रसार आदि हेतु प्रतिबंधित होगा।मतदान केन्द्र के 100 मीटर के अन्दर फोटोग्राफी,विडियोग्राफी अमान्य होगा। यद्यपि मिडिया पर यह लागू नही होगा तथापि मिडियाकर्मी मतदान केन्द्र के अन्दर जाकर फोटोग्राफी व विडियोग्राफी नहीं करेगें। साथ ही मतदान की गोपनीयता को ध्यान में रखकर कार्य करेंगें।अभ्यर्थी मतदान केन्द्र से 200 मीटर की दूरी पर कैंडिडेट ईलेक्शन बूथ स्थापित कर सकेगें। जिसमें 01 टेबल, 02 कुर्सी, तथा 01 बैनर(4फीट ७ 8फीट)आकार का लगा सकते है। अभ्यर्थी/निर्वाचन अभिकर्ता/कार्यकर्ता को मतदान के दिन प्रदत्त वाहन का प्रयोग मतदाता को लाने हेतु नहीं किया जा सकेगा। कोई भी व्यक्ति मतदान कार्य में लगे सुरक्षाकर्मियों के अतिरिक्त आग्नेयास्त्र लेकर 100 मीटर के अंदर प्रवेश नहीं कर सकेगा। सुरक्षा प्राप्त व्यक्तियों के सुरक्षाकर्मियों पर पूर्व से निर्गत दिशा निर्देश के आलोक में प्रदत्त छुट मान्य होगा।प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा विधि व्यवस्था में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों/पुलिस कर्मियों पर लागू नहीं होगा। इसी प्रकार वर्तमान में बारात पार्टी के सदस्यों, विद्यालयों/महाविद्यालयों में जाने वाले छात्र/छात्राओं एवं परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों/शवयात्रा में शामिल व्यक्तियों,अस्पताल ले जा रहे मरीजों के साथ जाने वाले व्यक्तियों पर लागू नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

निर्वाचित 84 वार्ड सदस्यों को मिला प्रमाण पत्र

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के अंतिम चरण में होने वाले चुनाव से पहले प्रखंड में कुल 311 वार्ड सदस्य सीट में 84 वार्ड सदस्य निर्विरोध चुन लिए गए हैं। शुक्रवार को बीडीओ दयानंद जायसवाल ने सरैयाहाट प्रखंड सभागार में सभी को जीत का प्रमाण पत्र दिया। जबकि 311 वार्ड सदस्य सीट में 13 सीट खाली रह गई है। इन जगहों पर किसी ने नामांकन नहीं किया। शेष बचे 298 सीट के 681 वार्ड सदस्य प्रत्याशियों ने नामांकन किया। जांच में छह प्रत्याशियों का नामांकन रद हुआ और छह प्रत्याशियों ने नामांकन वापस ले लिया। जिसमें 84 वार्ड सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए। अब 585 प्रत्याशी अपना अपना भाग्य अजमाएंगे।

योगाभ्यास को बनाएं दिनचर्या का हिस्सा

- बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने किया योगाभ्यास

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। भारत सरकार के क्षेत्रीय लोक संपर्क ब्यूरो की ओर से शुक्रवार को शिवपहाड़ स्थित इंग्लिश स्कूल योगोत्सव के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
प्राचार्य अभय कुमार दुबे ने कहा कि स्वस्थ शरीर में, स्वस्थ मन का वास होता है। इसलिए योगाभ्यास नितांत आवशयक है। कार्यक्रम के संचालन अधिकारी एमके आलम ने अपील की कि प्रत्येक छात्र प्रार्थना के बाद कम से कम दस मिनट बताए गए योगा मुद्राओं का अभ्यास करें। योगाभ्यास शारीरिक, स्वस्थ व मानसिक विकास के लिए लाभकारी होगा। इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। प्रशिक्षक राजीव शाह व दुर्योधन भंडारी ने बताया कि विश्व योग दिवस मनाने में 39 दिन शेष रह गए हैं। इसी के आलोक में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय देश में योगोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया है। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने योगाभ्यास किया।

अगलगी में दो दुकान और एक घर जले

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जरमुंडी थाना क्षेत्र के मटकरा गांव में अचानक दुकान में भीषण आग लगने से एक अन्य दुकान और एक घर भी चपेट में आ गए। अगलगी में दोनों दुकानों में रखे लाखों के सामान जलकर पूरी तरह राख हो गए। घर मालिक गोस्वामी लक्ष्मी चौरसिया ने बताया कि वे दुकान के बाहर बैठे थे और अचानक आग की लपटें उठीं। देखते-ही-देखते आग ने भीषण रूप ले लिया। आग की लपटें काफी तेज थीं। बीच बीच में धमाके जैसी आवाज भी सुनाई पड़ रही थी। दुकानदार ने बताया कि सबकुछ जलकर नष्ट हो गया। आग कैसे लगी, यह पता नहीं चला है।

बंगाल से भागलपुर जा रही कार पलटी

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मसलिया थाना क्षेत्र की मसलिया- दुमका मुख्य सड़क पर शुक्रवार की दोपहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से महज सौ मीटर दूर अगला टायर फट जाने से स्कार्पियो पुलिया से टकराते हुए 30 मीटर की दूर जाकर पलट गई। हादसे में गाड़ी में सवार सभी पांच लोग बाल बाल बच गए। पुलिस के अनुसार गाड़ी पर सवार भागलपुर के कहलगांव निवासी विस्वजीत दे चालक समेत अपने चार साथी के साथ शादी समारोह में पश्चिम बंगाल के आसनसोल गए थे। वहां से लौटने के क्रम में स्वास्थ्य केंद्र के समीप ढलान में वाहन का अगला पहिया फट गया। गाड़ी सड़क के किनारे पुलिया से टकराते हुए कई फिट की दूरी पर पलट गई। केवल दो लोगों को मामूली चोट आई। इलाज के बाद दोनों को घर भेज दिया गया है। वाहन को जब्त कर लिया गया है।

राजनीति विज्ञान के विवि टॉपर अंकित को सम्मानित किया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। राजनीति विज्ञान विभाग में सिदो कान्हू मुर्मू विवि के टॉपर आदित्य नारायण महाविद्यालय दुमका के छात्र अंकित कुमार दूबे को प्राचार्य डॉ संजय कुमार सिंह ने सम्मानित किया। अंकित कुमार दूबे को गोल्ड मेडल और मेरिट सर्टिफिकेट दिया गया। मौके पर प्राचार्य डॉ संजय कुमार सिंह ने अंकित के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य ने अंकित को जीवन में सफलता के शिखर पर पहुंचने के लिए प्रेरित किया। बता दें कि हाल में एसकेएमयू के दीक्षांत समारोह में टॉपर अंकित को मेडल नहीं मिल सका था। विवि प्रशासन ने अंकित का गोल्ड मेडल उनके महाविद्यालय एएन कॉलेज को भेज दिया था, जो शुक्रवार को प्राचार्य के हाथों उन्हें दिया गया। मौके पर राजनीति विज्ञान के प्राध्यापक डॉ यशवंत कुमार सिंह, प्रो अखिलेश कुमार सिंह, प्रो अनहद लाल, डॉ चंपकलता, डॉ एजाज अहमद, डॉ संजय पाठक, डॉ संजु कुमारी, डॉ प्रमोद कुमार झा, डॉ अमरनाथ, डॉ रविऊल इस्लाम, प्रो अभय सिंह सहित महाविद्यालय के शिक्षकेत्तर कर्मचारी मौजूद थे। विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष सेवानिवृत्त डॉ शंकर पंजियारा ने भी अंकित कुमार दूबे को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अंकित ने सदैव विभाग और महाविद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया।

प्रथम चरण के पंचायत चुनाव के लिए पोलिंग पार्टी रवाना

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। प्रथम चरण के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए शुक्रवार की सुबह पोलिंग पार्टियां मतदान केंद्रों के लिए रवाना हुईं। प्रथम चरण में 14 मई को चार प्रखंड रामगढ़, शिकारीपाड़ा, काठीकुंड और गोपीकांदर में सुबह सात बजे से तीन बजे तक मतदान होगा। मतदान बैलेट पेपर से होगा। प्रथम चरण के मतदान के लिए 814 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला ने बताया कि प्रथम चरण के मतदान के लिए 3256 कर्मियों को पोलिंग पार्टी के सदस्य के रूप में तैनात कर भेजा जा रहा है। वहीं रिजर्व में भी कर्मी रखे गए हैं। 150 सेक्टर मजिस्ट्रेट बनाए गए हैं, जो पोलिंग पार्टी के साथ मतदान केंद्र तक जा रहे हैं।

वैक्सीनेशन शिविर में लाभुकों ने लगवाया कोविड-19 का टीका

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। मसलिया प्रखंड क्षेत्र में संस्था चेतना विकास एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मसलिया के संयुक्त प्रयास से लहरजोरिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के बरमसिया और रास्ता डंगाल गांव के आंगनबाड़ी केंद्र में शुक्रवार को कोविड-19 वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें 12 , 18 , 40 और 60 वर्ष के लाभुकों को कोविड -19 के संक्रमण से बचाव के लिए प्रथम, द्वितीय और बूस्टर डोज दिया गया। कैंप में कुल 60 ग्रामीणों को वैक्सीन का डोज केंद्र की एएनएम एली बागे ने दिया। वैक्सीनेशन कैंप के सफल संचालन में संबंधित गांव की सहिया, सेविका, स्कूल की शिक्षका, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मसलिया के स्वास्थ्य कर्मी तथा चेतना विकास संस्था के मोबलाइजर मो.गुलाम, दीपक साव और पप्पू कुमार ने अहम भूमिका निभाई।

सांसद की पहल पर कैंसर पीड़ित को मिली सहायता राशि

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बासुकीनाथ निवासी कैंसर पीड़ित धनेश्वर गोस्वामी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से चिकित्सा के लिए 75 हजार रुपये की अनुदानित राशि प्रदान की गई। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए भाजपा के नेता रविकांत मिश्रा उर्फ मुन्ना मिश्रा ने बताया कि बासुकीनाथ निवासी धनेश्वर गोस्वामी ब्लड कैंसर से जूझ रहे हैं। उनका इलाज मुंबई में चल रहा है। गंभीर बीमारी के इलाज में काफी राशि खर्च हो चुकी है। मुन्ना मिश्रा ने धनेश्वर गोस्वामी के मामले की जानकारी दुमका सांसद सुनील सोरेन को दी। दुमका सांसद की त्वरित पहल पर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के द्वारा धनेश्वर गोस्वामी के चिकित्सा खर्च के लिए व आंशिक पूर्ति के लिए सहायता के रूप में 75 हजार रुपए की राशि सैद्धांतिक रूप से मंजूर की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा प्रेषित पत्र में धनेश्वर गोस्वामी के रोगमुक्त जीवन की कामना करते हुए शुभकामना भेजी गई है।

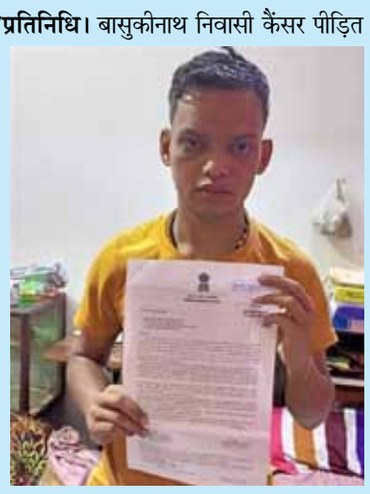

बीडीओ ने किया महिला मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। निर्वाची पदाधिकारी (ग्राम पंचायत सदस्य) - सह - प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत (आम) चुनाव से संबंधित महिला मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। विदित हो कि सदर दुमका प्रखण्ड अन्तर्गत कुल 41 महिला मतदान केन्द्रों को चिन्हित किया गया है । अधिकांश महिला मतदान केन्द्र प्रखण्ड मुख्यालय के नजदीक विद्यालयों में बनाये गए है। संबंधित विद्यालयों के प्राधानाध्यापकों से सम्पर्क कर महिलाओं के आवासन के लिए कमरा, शौचालय, पीने का पानी, बिजली, पंखा आदि का निरीक्षण किया गया।

To-Let
Second floor
1. Bedroom - 2
2. Study room -1
3. Dinning Hall
4. Kitchen
Address : Kumharpara, Kali Mandir, Dumka.
Rent -Rs. 10000 + Electricity Bill.
Contact number : 7991134302, 8969695666

मतदाता 12 वैकल्पिक दस्तावेजो को दिखाकर मतदान कर सकेंगे, प्रथम चरण का चुनाव की तैयारी पूरी, मतदान आज

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन 2022 के प्रथम चरण में रामगढ़, गोपीकांदर, काठीकुंड और शिकारीपाड़ा के मतदान 14 मई को होना है।प्रातः 7 बजे से अपराह्न 3 बजे तक इन चारों प्रखंड के मतदाता अपने मतदान केंद्र जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।मतदान के समय मतदान केन्द्र पर मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित किया जाना अनिवार्य है। इसके लिए जिन मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता पहचान पत्र (एपिक) उपलब्ध कराए गए हैं।उनकी पहचान एपिक के माध्यम से की जाएगी। परन्तु यदि किसी मतदाता के पास फोटो पहचान पत्र उपलब्ध नहीं है तो उसकी पहचान आयोग द्वारा यथा निर्धारित 12 वैकल्पिक दस्तावेजो के माध्यम से की जा सकती है।मतदाता इन दस्तावेजों को दिखाकर मतदान कर सकेंगे। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किया गया मतदाता पहचान पत्र ,निर्वाचन तंत्र द्वारा जारी प्रमाणिक फोटोयुक्त मतदाता पर्ची, पासपोर्ट, ड्राईविंग लाइसेंस, राज्य/केन्द्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रम, स्थानीय निकाय या पब्लिक लिमिटेड कम्पनी द्वारा उनके कर्मचारियों को जारी किये जाने वाले फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक/डाकघर फोटोयुक्त पास बुक, आयकर पहचान पत्र (पैन कार्ड), आधार कार्ड ,राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अन्तर्गत जारी फोटोयुक्त जॉब कार्ड,फोटोयुक्त स्वास्थ्य बीमा योजना (स्मार्ट कार्ड) फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

संक्षिप्त समाचार

प्रत्येक व्यक्ति मतदान करने का हकदार

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी वरुण के निर्देशानुसार त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन 2022 के निमित्त लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 135 ख की उपधारा-1 के तहत मतदान के दिन किसी कारबार, व्यवसाय, अद्योगिक उपक्रम या किसी अन्य सरकारी / गैर सरकारी स्थापन में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति जो मतदान करने का हकदार है, मतदान के दिन अर्थात दिनांक 14.05.2022 (पाकुड़ प्रखण्ड के लिए) 19.05.2022 (प्रखण्ड महेशपुर एवं हिरणपुर के लिए) एवं 27.05.2022 (प्रखण्ड लिट्टीपाड़ा, अमड़ापाडा एवं पाकुड़िया के लिए) को अवकाश मंजूर किया जायेगा। उपधारा-2 (1) के अनुसार अवकाश मंजूर किये जाने के कारण किसी ऐसी व्यक्ति की मजदूरी से कोई कटौती या उसमें कोई कमी नहीं की जायेगी और ऐसे व्यक्ति इस आधार पर नियोजित किया जाता है कि उसे सामान्यतः किसी ऐसे दिन के लिए मजदूरी प्राप्त नहीं होगी तो इस बात कि होते हुए ऐसी दिन के लिए वह मजदूरी संदत्त की जायेगी, जो इस दिन उसे अवकाश मंजूर न किये जाने की दिशा में दी गयी होती। यदि कोई नियोजक उपधारा-1 या उपधारा-2 के उपबंधों का उल्लंघन करेगा ऐसा नियोजक नियमानुसार दंड का भागी होगा।

मारपीट एवं छेड़छाड़ मामले में प्राथमिकी दर्ज

उधवा। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। राधानगर थाना क्षेत्र के पश्चिमी उधवा पंचायत बाबूटोला के एक व्यक्ति के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर बाबूटोला गांव के इकबाल शेख ने राधानगर थाना में शिकायत दर्ज कराया है। दिए गए आवेदन में आरोप लगाया है कि बीते सोमवार की देर रात उसकी पत्नी और पुत्री कमरे में सोई हुई थी।महिला के पति इकबाल शेख किसी कार्य से बाजार गया हुआ था।तभी गांव के हसीम शेख उसे घर पर अकेली देख घर में घुसकर छेड़छाड़ करने लगा। वही महिला ने अपनी आबरू बचाने की कोशिश की तो आरोपी हसीम शेख उसके साथ मारपीट करने लगा।जब उसके पति घर पहुंचे तो उसके पति और पत्नी के साथ जान मारने की नियत से मारपीट किया।मारपीट के बाद आरोपी ने उसके पति के पॉकेट में रखे कुछ नगदी और उसके पत्नी के गले से जेवरात छीनकर मौके से भाग निकले। वही राधानगर पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीड़ित इकबाल शेख के बयान पर प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

बजरंगी ने किया लीला संकीर्तन का शुभारंभ

उधवा। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। उधवा प्रखंड के श्रीधर दियारा पंचायत के कॉलोनी नंबर 9 में पांच दिवसीय आयोजित लीला संकीर्तन शुक्रवार की सुबह से शुरू हो गया। जानकारी के अनुसार भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव बीते गुरुवार की देर शाम को कार्यक्रम स्थल पहुंचकर फीता काटकर लीला संकीर्तन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों से आए कलाकारों ने श्रीकृष्ण की जीवनी के बारे में बताया। श्री यादव ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यहां पर वर्षों से लीला संकीर्तन होते आ रहा है। उन्होंने कहा कि लीला संकीर्तन सुनने से मन को शांति मिलती है। मौके पर अधीर कुमार मंडल, तत्वोरंजन मंडल, बलराम दास, कृष्ण चौधरी, संदीप घोष आदि थे।

प्रथम चरण में ड्यूटी करने से कन्नी काटने वाले की मुश्किलें बढ़ सकती है

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। त्रिस्तरीय पंचायत आम चुनाव के प्रथम चरण में ड्यूटी करने से कन्नी काटने वालों की मुसीबतें बढ़ सकती हैं। ड्यूटी जॉइन न करने वालों को निलंबन के साथ ही जेल की हवा तक खानी पड़ सकती है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त वरुण रंजन ने कहा कि वैसे मतदान कर्मी जिन्हें मेडिकल बोर्ड से कोई छूट नहीं मिली है, और अभी तक योगदान नहीं किए हैं। इन लोगों पर जिला प्रशासन द्वारा विधि संगत करवाई की जाएगी। अब तक ड्यूटी जॉइन नहीं करने वाले कर्मचारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की है। पंचायत चुनाव में पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी प्रथम, मतदान अधिकारी द्वितीय और मतदान अधिकारी तृतीय की अहम भूमिका होती है।

मीरा फ़ाउंडेशन ने एक किडनी मरीज़ को रक्तदान करवाया

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। मीरा फ़ाउंडेशन की अध्यक्षा मीरा प्रवीण सिंह से समाजसेविका कमला गाँगुली ने संपर्क कर डायलिसिस करवा रहे एक मरीज़ अन्नपूर्णा कौलोनी निवासी पंकज कुमार सहनी के लिये ए निगेटिव रक्तदान की अपील की। मीरा फ़ाउंडेशन ने जल्द ही एक रक्तदाता कुर्थी पाड़ा निवासी पिंटू कुमार दास से संपर्क कर उनसे रक्तदान करवाया।इस तरह एक किडनी मरीज़ की समय पर मदद कर उनकी जान बचाई गई।मीरा फ़ाउंडेशन उक्त मरीज़ के स्वास्थ्य लाभ की कामना करती है और ईश्वर से कामना करती है कि रक्तदाता को स्वस्थ, संपन्न और प्रसन्न रखें।

नारायणपुर में मिले संभावित चिकन पॉक्स के 6 मरीज

नारायणपुर /जामताड़ा। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। प्रखंड के कोईडीहा गांव में 6 संभावित चिकन पॉक्स के मरीज मिले हैं। इन मरीजों के लक्षण में बुखार के साथ शरीर में दाना निकल आने के लक्षण पाए गए हैं।जिसकी सूचना मिलने के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणपुर के मेडिकल टीम चिकित्सा पदाधिकारी डॉ दिलीप बराई के नेतृत्व में आज शुक्रवार को कोईडीहा गांव पहुंचकर संभावित मरीजों का मेडिकल जांच करने के बाद उसका ब्लड सैंपल लेकर उसे जांच करने हेतु धनबाद भेज दिया।इसके पश्चात गांव में एसीएस करते हुए मरीज को खाने के लिए निःशुल्क विटामिन ए की खुराक दी गई।

मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणपुर के चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि नारायणपुर प्रखंड के कोईडीहा गांव में पाये गये चिकेन पॉक्स के मरीजों की पहचान कोईडीहा गांव वासी अकबर अंसारी की पत्नी 35 वर्षीय नूरजहां बीबी, लतीफ अंसारी की पत्नी 18 वर्षीय अफसाना खातून, अकबर अंसारी की पुत्री 4 वर्षीय असयाना खातून, अजहर अंसारी के पुत्र 8 वर्षीय मंजूर अंसारी, सफाऊल अंसारी की पत्नी 40 वर्षीय गुलबानू बीबी तथा करीमुद्दीन अंसारी की पत्नी 45 वर्षीय बसीरन बीबी के रूप में हुई है। जिनका मेडिकल जांच के बाद ब्लड सैंपल लेकर जांच करने हेतु धनबाद लैब भेज कर मरीजों को खाने के लिए निशुल्क दवा दिया गया। मौके पर रंजना कुमारी, सुकन्या सोरेन के अलावे कई स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

मतपेटी लेकर रवाना हुए मतदान कर्मी, मतदान आज

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के तहत शनिवार को जिले के पाकुड़ प्रखंड में (जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, मुखिया एवं वार्ड सदस्य पद के लिए) मतदान डाले जाएंगे। इसको लेकर निर्वाचन क्षेत्र के कुल 561 मतदान केंद्रों के मतदान कर्मियों के बीच बाजार समिति पाकुड़ में बने डिस्पैच सेंटर से मतपेटी/मतदान सामग्री उपलब्ध कराया गया। मतपेटी/सामग्री प्राप्त कर मतदानकर्मी अपने - अपने दल के साथ पाकुड़ प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों की ओर रवाना हो गए। सभी मतदान कर्मी आज बनाएं गए कलस्टर पर आवासन करेंगे, शनिवार तड़के संबंधित मतदान केंद्रों पर रवाना होंगे। मतपेटी/चुनाव सामग्री लेने के लिए डिस्पैच सेंटर में सुबह से ही सेक्टर मजिस्ट्रेट/मतदान कर्मियों, पुलिस पदाधिकारी, जवान आदि पहुंचने लगे थे। कर्मियों ने अपने - अपने क्षेत्र के लिए बने पंडालों में मतदान केंद्र वार लगाएं गए टेबल पर बैठ कर मतपेटी/चुनाव सामग्री प्राप्त किया। इसके बाद कड़ी सुरक्षा के बीच चुनाव सामग्री के साथ मतदान कर्मी को बड़े झ्र छोटे वाहनों से कलस्टर/मतदान केंद्रों की ओर रवाना किया गया।

● पाकुड़ प्रखंड के कुल 561 मतदान केंद्रों पर होगा चुनाव,गठित होगी पंचायत की सरकार

● रवानगी तक डटे रहें पदाधिकारी

मतदान कर्मियों के रवानगी तक डिस्पैच सेंटर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी (पंचायत) सह उपायुक्त वरुण रंजन, उप विकास आयुक्त मो० शाहिद अख्तर, एसडीओ हरिबंश पंडित आदि डटे रहें। अपनी देख - रेख में सभी मतदान कर्मियों को कलस्टर/मतदान केंद्र के लिए रवाना किया। इसके अलावा विभिन्न पंडालों के लिए बनाएं गए वरीय पदाधिकारी अपर समाहर्ता श्रीमती मंजु रानी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी महेश राम, जिला शिक्षा अधीक्षक दुर्गा झा, जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनी देवी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी ऋषि राज, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉक्टर चंदन, गोपनीय प्रभारी रणवीर कुमार, जिला खेलकूद पदाधिकारी मनोज कुमार, एसएमपीओ पवन कुमार एवं विभिन्न कोषांगों के प्रभारी आदि भी अपने दायित्वों के निष्पादन में कार्य समाप्ति तक डटे रहें।

● 561 मतदान दल हुए रवाना

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत डिस्पैच सेंटर से कुल 561 मतदान दलों को विभिन्न कलस्टर/मतदान केंद्र के लिए रवाना किया गया। कुछ रिजर्व मतदान कर्मियों को भी प्रखंड स्तरीय कलस्टर भेजा गया। जहां आवशयकतानुसार उपयोग किया जाएगा। कलस्टर में आवासन करने वाले मतदान कर्मियों को शनिवार तड़के संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया जाएगा।

प्रथम चरण के तहत होने वाले निर्वाचन में 307 अतिसंवेदनशील, 225 संवेदनशील एवं 29 सामान्य मतदान केंद्र हैं। सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल तैनात किया गया है।

● 1,89,538 मतदाता करेंगे मतदान

प्रथम चरण के तहत पाकुड़ प्रखंड में होने वाले निर्वाचन में कुल 1 लाख 89 हजार 538 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इसमें पुरूष मतदाओं की संख्या कुल 94,566 एवं महिला मतदाताओं की कुल संख्या 94,972 है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक विद्यालय, बाघाशोला, कुंडहित के स्थानांतरण को लेकर परियोजना कार्यान्वयन समिति की आहूत बैठक संपन्न

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

जामताड़ा । आज दिनांक 13.05.2022 को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी जामताड़ा श्री फ़ैज़ अक अहमद मुमताज (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक विद्यालय, बाघाशोला, कुंडहित के स्थानांतरण को लेकर परियोजना कार्यान्वयन समिति की बैठक आहूत की गई।

बैठक में परियोजना निदेशक, आई.टी.डी.ए. श्री अभिषेक श्रीवास्तव द्वारा समिति को बताया कि अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक विद्यालय, बाघाशोला, कुण्डहित, जामताड़ा का भवन जर्जर होने के कारण तत्काल दूसरे भवन में स्थानान्तरण किया जाना आवशयक है। अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक प्राथमिक विद्यालय, बाघाशोला, कुण्डहित का भवन जर्जर होने, विद्यालय भवन का चाहरदिवारी नहीं होने एवं पानी की समस्या होने के कारण दिनांक-02.03.2020 को सम्पन्न हुई परियोजना कार्यान्वयन समिति के बैठक में तत्काल प्रभाव से विद्यालय का स्थानान्तरण, अनुसूचित जनजाति छात्रावास, दलाबड़, नाला में करने का निर्णय लिया गया था। उक्त निर्णय का अनुपालन नहीं किया जा सका। जिला कल्याण पदाधिकारी, जामताड़ा ने बताया कि स्थानीय लोग उक्त विद्यालय का स्थानान्तरण कुण्डहित के अन्य भवनों में कराने का अनुरोध कर रहें है।

इस संदर्भ में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, कुण्डहित को पत्राचार करते हुए वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कार्यहित में खाली पड़े हुए दूसरे उपयुक्त सुरक्षित भवन में चिन्हित करने का निदेश दिया गया था। उक्त के आलोक में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, कुण्डहित के द्वारा अनुसूचित जनजाति आवासीय प्राथमिक विद्यालय, बाघाशोला, कुण्डहित, जामताड़ा का विद्यालय भवन जर्जर होने के कारण उक्त विद्यालय, का अस्थायी स्थानान्तरण सिंहवाहिनी +2 उच्च विद्यालय, बालिका छात्रावास, कुण्डहित में किए जाने का प्रतिवेदन समर्पित किया गया है।

बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा सर्वसम्मत निर्णय लिया गया कि प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, कुण्डहित के प्रतिवेदन के आलोक में अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक प्राथमिक विद्यालय, बाघाशोला, कुण्डहित, जामताड़ा का भवन जर्जर होने, छात्रहित में तत्काल प्रभाव से विद्यालय का स्थानान्तरण, सिंहवाहिनी +2 उच्च विद्यालय, सिंहवाहिनी बालिका छात्रावास, कुण्डहित में किया जा सकता है।

उपायुक्त द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी/जिला शिक्षा अधीक्षक, जामताड़ा को निदेश दिया गया कि सिंहवाहिनी +2 उच्च विद्यालय, सिंहवाहिनी बालिका छात्रावास, कुण्डहित के प्राचार्य को अपने स्तर से सूचित करते हुए छात्रावास हस्तान्तरण कराने का निदेश देंगे।

कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल, जामताड़ा को निर्देश दिया जाता गया कि सिंहवाहिनी +2 उच्च विद्यालय, सिंहवाहिनी बालिका छात्रावास, कुण्डहित का स्थल निरीक्षण कर बिजली, पंखा, पानी समरसेबुल पंप, रसोई घर में पानी, शौचालय का व्यवस्था इत्यादि का आवशयक मरम्मति करा देंगे ताकि विधार्थियों को किसी तरह का परेशानियों का सामना ना करना पड़े।

अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक प्राथमिक विद्यालय, बाघाशोला, कुण्डहित, का भवन के नव निर्माण के लिए अंचलधिकारी, कुण्डहित से उपयुक्त जमीन चिन्हित कर प्राप्त करने का निदेश दिया गया। जमीन प्राप्त होने के उपरांत भवन निर्माण विभाग से प्राक्कलन तैयार करवा कर कल्याण विभाग को अग्रेत्तर कार्रवाई हेतु अनुरोध किया जा सकता है तथा आवंटन की मांग की जा सकती है।

बैठक में उप विकास आयुक्त श्री अनिलसन लकड़ा, परियोजना निदेशक आईटीडीए श्री अभिषेक श्रीवास्तव,अनुमंडल पदाधिकारी श्री संजय पांडेय, जिला कल्याण पदाधिकारी श्री उत्तम कुमार भगत, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल, संबंधित सदस्य जनप्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

1372 प्रत्याशियों का भाग्य का फैसला आज

निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में वोट कराने को तैयार जिला प्रशासन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । (विनोद कुमार दास) । त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का प्रथम चरण का चुनाव 14 मई को यानी आज होगा। चुनाव इस चुनाव में वार्ड, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य एवं जिला परिषद के सभी प्रत्याशियों का भाग्य का फैसला होना है। पाकुड़ प्रखंड में 36 पंचायत है। जिसमें 1 लाख 89 हजार 538 मतदाता वोटिंग के जरिए गांव की सरकार चुनेंगे। आपको बता दें कि पाकुड़ जिले में जिला परिषद के लिए 6 पद, मुखिया पद के लिए 36 पद, पंचायत समिति सदस्य के लिए 54 पद और वार्ड सदस्य के लिए 561 पद है जिसमें 1372 उम्मीदवार मैदान पर उतरे हैं। मिली जानकारी के अनुसार जिला परिषद सदस्य के 6 पदों के लिए 37 प्रत्याशी, 36 मुख्य पद के लिए 149 प्रत्याशी, 54 पंचायत समिति सदस्य के लिए 150 प्रत्याशी और 561 वार्ड सदस्य के लिए 1036 उम्मीदवार मैदान पर डटे हैं इन सबों का फैसला 14 मई को वैलेट पेपर के माध्यम से होगा। जिला प्रशासन शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष वोट कराने को लेकर तैयार हैं। इस चुनाव में सभी महिला प्रत्याशी अपने अपने पति के भरोसे पर चुनाव मैदान में उतरी है। आपको बता दें कि इस बार का चुनाव बहुत ही खास है। दो दशक से मुखिया, वार्ड, सदस्य जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य पद पर विराजमान है लेकिन इस बार का चुनाव में कुछ खास ही नजर आएगा। इस चुनाव में अपने पद पर विराजमान रहने के लिए उम्मीदवारों ने जी जान लगा चुके हैं। कहीं अपनी पत्नी तो कहीं स्वयं चुनाव मैदान पर खड़े हैं। ऐसा लगता है की यह सभी पद वंशवाद बनकर रह जाएगा लेकिन लोगों को यह दिखाना होगा कि यह चुनाव किसी वंशवाद का नहीं बल्कि लोगों का है। तब ही पंचायत का विकास होगा। मतदाताओं को यह कर दिखाना होगा कि क्षेत्र का विकास के लिए एक ही योग्य, शिक्षित एवं विकासशील प्रत्याशी को वोट देकर गांव के सरकार बना सके। प्रत्याशियों मतदाताओं को रिझाने के लिए तरह-तरह के प्रलोभन देकर वोट ले सकते हैं, लेकिन मतदाताओं को जागरूक होना होगा और अपने अधिकार का प्रयोग कर गांव की सरकार को एक विकासशील के हाथों दे सके।

एसडीओ के निर्देश पर बाजार समिति में लगने वाले हाट को लड्डू बाबू आम बागान शिफ्ट कराने का निर्देश

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । अनुमंडल पदाधिकारी सह अनुमंडल दण्डाधिकारी हरिबंश पंडित के निर्देशानुसार पाकुड़ अंचल अन्तर्गत मौजा गोकुलपुर का सप्ताहिक हाट प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को कृषि उत्पादन बाजार समिति, पाकुड़ के प्रांगण में पूर्व से संचालित हो रहा है। वर्तमान में कृषि उत्पादन बाजार समिति, पाकुड़ के प्रांगण में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2022 के निमित्त वाहन कोषांग संचालित है एवं उक्त स्थल मतदान कार्य में प्रयुक्त वाहनों के रख-रखाव के रूप में उपयोग में लाया जा रहा है। अतः त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2022 के समाप्ति तक मौजा-गोकुलपुर का सप्ताहिक हाट का स्थल लड्डू बाबु आम बागान स्थित खाली स्थान पर निर्धारित किया जाता है। थाना प्रभारी पाकुड़ (नगर) को आदेश दिया जाता है कि सप्ताहिक हाट का स्थल लड्डू बाबु आम बागान स्थित खाली स्थान पर लगाये जाने के संबंध में आवशयक कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही साथ त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2022 के समाप्ति तक सप्ताहिक हाट के दिनों में मंगलवार एवं शनिवार को विधि-व्यवस्था संधारण हेतु अमीत कुमार राम, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, पाकुड़ को दण्डाधिकारी नियुक्त किया जाता है। यह आदेश तत्कालिक प्रभाव से लागू होगा।

शादी समारोह में शामिल दो बच्ची की ठनका गिरने से मौत, तीन बच्ची घायल

● शादी के घर में छाया, मातम रो-रो कर परिजनों का बुरा हाल

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । जिले के हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत सितपहाडी गांव में शादी घर मैं अचानक ठनका की चपेट में आने से ने दो नाबालिग बच्चे की मौत हो गई है। यह घटना शुक्रवार दोपहर को हुई बज्रपात से बड़तल्ला निवासी तस्किना खातून 15 वर्ष व सवेरा खातून 15 वर्ष की मौत हो गई। वही ठनका गिरने से गाँव के ही जुलेखा खातून 15 वर्ष, शाहीना खातून 14 वर्ष, रेजिना खातून 16 वर्षीय बच्ची घायल हो गई। घायल रेजिना खातून को इलाज के लिए सोनाजोरी स्थित सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वही जुलेखा खातून व शाहीना खातून को हिरणपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। चिकित्सको ने सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया है। गाँव के अजीमुद्दीन अंसारी की लड़की की शादी थी। इसी को लेकर काफी संख्या में मेहमान लोग आया हुआ था। वही दुल्हन की काफी संख्या में सहेली भी आई हुई थी। घर के मुख्य द्वार निकट दुल्हन की हल्दी चढ़ाने का रस्म किया जा रहा था। इसी बीच दिन के करीब सवा दो बजे काफी जोर की मेघ गर्जन के साथ बज्रपात हुई। जिससे मुख्य द्वार में बैठे सभी सहेली इसके चपेट में आ गया व सभी बेहोश हो गई। इसके बाद जमकर बारिश होने लगी। परिवार के सदस्यों व ग्रामीणों द्वारा आननफानन में घायल रेजिना व सवेरा खातून को सोनाजोरी सदर अस्पताल ले जाया गया। जहाँ इलाज के क्रम में सवेरा की मौत हो गई। वही हिरणपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तस्किना खातून , जुलेखा खातून व शाहीना खातून को भर्ती कराया गया। इसी दौरान तस्किना की मौत हो गई। घटना की सूचना पाने साथ पुलिस मौके पर पहुँचे। जहाँ मृतक के परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से साफ इंकार कर दिया। इस सम्बंध में थाना प्रभारी सन्तोष कुमार ने बताया कि बज्रपात से दो की मौत व तीन घायल हुए है। पीड़ित परिवार के लोगो द्वारा पोस्टमार्टम से साफ इंकार करते हुए लिखकर दिया है। घटना के मृतकों के परिजनों में मातम छा गया। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

डुमरी में 139 वार्ड सदस्य हुए निर्विरोध निर्वाचित, 8 वार्ड के पद रहे रिक्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

डुमरी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2022 के चौथे चरण (27) मई को डुमरी प्रखंड में होने वाले चुनाव के लिए नोमिनेशन प्रक्रिया से संवीक्षा प्रक्रिया तक सम्पन्न हुए कार्य संपादित होने और चुनावी क्षेत्र में डटे उम्मीदवारों के बीच 12 मई को चुनाव चिन्ह आवंटित करने के बाद निर्विरोध निर्वाचित हुए उम्मीदवारों के बीच 12 मई की देर शाम एवं आज 13 मई (शुक्रवार)को प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।इस संबंध में पंसस पद के आरओ सह एसडीएम प्रेमलता मुर्मू ने बताया कि डुमरी प्रखंड के 45 पदों के लिए 222 उम्मीदवार व पिरटांड़ प्रखंड के 21 पदों के लिए 85 उम्मीदवार मैदान में हैं जबकि एक उम्मीदवार चिरकी (4) से सबिता टुडू निर्विरोध निर्वाचित हुई जिन्हें चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक संध्या गुप्ता की उपस्थिति में विजयी प्रमाण पत्र दिया गया।वहीं वार्ड सदस्य पद के आरओ सह बीडीओ सोमनाथ बंकिरा ने बताया कि 139 वार्ड सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए जबकि डुमरी प्रखंड में 8 वार्ड रिक्त रह गए। जिसमें भरखर के वार्ड संख्या 7, नागाबाद के वार्ड संख्या 6,जामतारा के वार्ड संख्या 13,खैराटुंडा के वार्ड संख्या 2 एवं 8,इसरी उत्तरी के वार्ड संख्या 5,खुद्दीसार के वार्ड संख्या 12,ससारखो के वार्ड संख्या 14 शामिल है।जबकि 742 उम्मीदवार चुनावी मैदान में है।वहीं मुखिया पद के आरओ सह सीओ धनंजय गुप्ता ने बताया कि डुमरी प्रखंड के 37 पंचायतों के लिए 274 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं।

इधर चुनाव चिन्ह आवंटन के बाद उम्मीदवार अपना अभिकर्ता बनाने,प्रचार वाहन व साउंड का आदेश लेने में जूट गए हैं जबकि क्षेत्र में उम्मीदवार अपना पोस्टर, बैनर लगाने एवं पर्चा छपवाने में जूट गए हैं।

सड़क हादसे में 2 लोगों की मौत, 4 हुए घायल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। जिले के बगोदर थाना क्षेत्र के बगोदर-सरिया रोड के ढिबरा मोड़ के पास सड़क हादसे में दो लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी।वहीं 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना अहले आज सुबह करीब पांच बजे की है। मृतकों में एक सीआरपीएफ का जवान था, जो राँची में कुक के रूप में कार्यरत था।बताया जा रहा है कि सरिया से बगोदर की ओर आ रही एक स्विफ्ट कार ढिबरा मोड़ के समीप असंतुलित होकर एक पेड़ से जा टकराई और कार सड़क के किनारे खेत में जा पलटी।कार में कुल छह लोग सवार थे।

जानकारी के अनुसार मृतकों में अरुण कुमार (35 वर्ष) एवं छोटी कुमार शामिल हैं जो हजारीबाग जिले के बरकट्ठा मासीपीढ़ी के रहने वाले थे।मृतक अरुण कुमार सीआरपीएफ राँची में बतौर कुक कार्यरत थे,जबकि छोटी कुमार व्यवसाय करता था।घायलों में राजेश कुमार, निर्मल कुमार, सुजीत कुमार राम, प्रवेश कुमार (सभी मासीपीढ़ी बरकट्ठा) के रहने वाले हैं।ये गंभीर रुप से घायल हो गए हैं।घटना की सूचना बगोदर पुलिस को मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची। स्थानीय लोगों के सहयोग से कार से घायलों को निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया।जहां चिकित्सकों के द्वारा प्रथामिक उपचार के बाद चारों घायलों को हजारीबाग रेफर कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि कार में सभी सवार लोग गुरुवार की रात अटका से अपने ममेरे भाई की शादी को लेकर खोरी महुआ बारात गये हुए थे और आज सुबह वापस लौट रहे थे।तभी यह हादसा हुआ।घटना के बाद बगोदर पुलिस दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी परिजनों को दी गई।परिजन बगोदर थाना पहुंच गये, जहां शव को देखकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। बगोदर पुलिस द्वारा शव पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह भेज दिया गया।

सीआईएसएफ ने छापेमारी कर कोयला लदे ट्रैक्टर जप्त किया

निरसा। बीसीसीएल सीवी एरिया बारह के सीआईएसएफ ने शुक्रवार को पलसिया बस्ती के काली मंदिर के पास कोयला लदे बिना नंबर के ट्रैक्टर जप्त किया है। ट्रैक्टर कालूबथान पुलिस को सौंप दिया गया। इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। बताया जाता है कि पलसिया जंगल और सी पैच आउटसोर्सिंग में अवैध खनन कर पलसिया में इकट्ठा कर आसपास के भठ्ठो में खपाने की सूचना थी। सीआईएसएफ ने टीम बनाकर छापेमारी की। कहा कि अभियान जारी रहेगा। छापेमारी के बाद से कोयला चोरों में हड़कंप मचा हुआ है। मैनेज करने का काफी प्रयास किया गया। मौके पर एसी एल गौतम, इंस्पेक्टर रवि कांत राय आदि थे।

बारात से लौटने के क्रम में कार पेड़ से टकराई दो की मौत, चार घायल,दो रेफर

दोनों मृतक मासीपीढ़ी, बरकट्ठा निवासी है, एक सीआरपीएफ में जवान है

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बरकट्ठा। बगोदर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को सुबह में एक बड़ी सड़क दुर्घटना हुई है। जिसमें दो लोगों की मौके पर हीं मौत हो गई है। जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मृतकों में सीआरपीएफ का एक जवान भी शामिल है। बताया जाता है कि अनियंत्रित कार पहले रोड किनारे स्थित पेड़ से टकराकर पलट गई। यह हादसा बगोदर- सरिया रोड के ढिबरा के पास हुई। घायलों को इलाज के लिए बगोदर सीएचसी में भर्ती कराया गया। घायलों का प्राथमिक इलाज के बाद सभी को हजारीबाग रेफर किया गया। बताया जाता है कि कार पर सवार सभी लोग बारात से लौट रहे थे। बारात बगोदर के अटका से खोरीमहुआ, राजधनवार गई थी। बारात से लौटने के दौरान यह हादसा हुआ है। हजारीबाग जिले के बरकट्ठा थाना क्षेत्र के मासीपीढ़ी निवासी अरूण कुमार पिता संजय कुमार मण्डल और छोटी प्रसाद पिता रूपी महतो की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक अरूण कुमार सीआरपीएफ 133 का जवान था। बताया जाता है कि दोनों हजारीबाग जिले के बरकट्ठा थाना क्षेत्र के मासीपीढ़ी निवासी अटका, बगोदर स्थित रिश्तेदार के घर शादी में गुरुवार को बारात गए। लौटने के दौरान यह हादसा हुई। इस हादसे में मासीपीढ़ी गांव के ही राजेश कुमार पिता अरविंद कुमार निर्मल कुमार पिता रीतलाल महतो, सुजीत कुमार पिता अरविंद कुमार, राम प्रवेश कुमार पिता बासुदेव प्रसाद महतो गंभीर रूप से घायल हुए हैं।घायलों को सीएचसी बगोदर में प्राथमिक उपचार किया गया।वहीं गंभीर रूप से घायल रामप्रवेश एवं राजेश कुमार को बेहतर इलाज के लिए राँची रेफर किया गया।घटना के बाद गांव में मातम छा गया।ग्रामीणों ने बताया कि मृतक सीआरपीएफ जवान की एक साल पूर्व शादी हुई थी।मां-पिता का एकलौता कमाऊ युवक था। वह अपने पीछे माता -पिता ,पत्नी को छोड़कर चले गए।

मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया

निरसा। बीसीसीएल सीवी एरिया बारह के मेडिकल टीम की ओर से शुक्रवार को सुंदरनगर में मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। कुल 69 लोगों को जांच कर आवशयकतानुसार दवा के साथ स्वास्थ्य सलाह दी गई। मौके पर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी एस एस कुमार ने कहा कि जरूरत मन्दों को स्वास्थ्य जांच कर दवा दी। मौके पर चिरकुंडा नगर पंचायत अध्यक्ष डब्लू बाउरी, डॉ एस सरकार, भाजपा नेता बुलन बाउरी,संतोष सिंह,मोहन बहादुर, राजीव बाउरी, विधुत मंडल, आंनद मंडल,पराग वोरा, आफताब अंसारी, गौतम बाउरी, गुड्डू वर्मा आदि थे।

फुसरो में भक्ति जागरण का हुआ आयोजन

बेरमो। एक तरफ भजनों की सरिता तो दूसरी तरफ रत्नों और फूलों से सजे दरबार में विराजे खाटू श्याम। जो भी उनकी मनमोहक छवि देखता वह भाव विभोर हो जाता। ज्योत में आहुति देने के लिए घंटों इंतजार के बाद जब श्याम भक्तों ने खाटू बाबा के दर्शन किए और ज्योत में आहुति दी तो नैन भर आए। किसी ने झोली फैलाकर मांगा, तो किसी ने मन ही मन बाबा से खुशहाली मांगी। हजारों की संख्या में भक्तों ने बाबा के दर्शन किए। भक्तगण गुरूवार से लेकर आज भोर होने तक भजनों के रस में डूबे रहे। फुसरो न्यू रोड स्थित कैलाश अग्रवाल (स्टूडियो कैलाश) नवनिर्मित गृह प्रवेश के अवसर पर आयोजित श्री खाटू श्याम बाबा की विशाल भजन संध्या के सैकड़ों शहरवासी साक्षी बने। कार्यक्रम में कोलकाता से आए भजन गायक अमित पांडे की टीम द्वारा कन्हैंया के भजनों की ऐसी लय छेडी, ऐसा कर दो शृंगार सब देखते रह जाए... खाटू जो पहुंचा पहली बार मन को लुभाया यह दरबार..... और कीर्तन की है रात बाबा आज थाणे आणो है... जब ऐ री सखी मंगल गावो री.... आओ कन्हैया आओ मुरारी तेरे दर पर आया सुदामा भिखारी.... और हारे के सहारे आजा तेरा दास पुकारे आजा...कोई और नहीं वह खाटू वाला श्याम है...., तेरा नाम लेते लेते मेरी उम्र बीत जावे....और कन्हैया मेरी लाज रखना ,सांवरिया सांवली सूरत पर दिल...और किस्मत वालों को है बाबा....आदि अनेक भजनों की प्रस्तुति की। इंदौर के विपुल गेद्वर ने लो आ गया श्याम अब तो मैं शरण तेरी...., और तू है मेरा एक सांवरा हम हारे हारे तुम हारे के सहारे ,थारी जोगन बनके डोलू दिन रात सांवरा...., श्याम तेरे भगतों को तेरा ही सहारा है.....और मैं तो ओढ़ ली चुनरियां श्याम नाम री....की प्रस्तुति दी। मौके पर पूर्व सांसद रविंद्र कु पांडेय,अग्रवाल समाज के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल, भाजपा नेत्री अर्चना सिंह सहित कृष्ण कुमार चांडक,छितरमल अग्रवाल, मीनू अग्रवाल ,दिलीप अग्रवाल ,ललित अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, चंचल अग्रवाल, पवन अग्रवाल, सोनू अग्रवाल आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

चंदनाडीह श्रीश्री 108 श्रीराम चरित मानस सह हनुमत प्राण प्रतिष्ठा ज्ञान महायज्ञ

डुमरी। चंदनाडीह में 12 मई से प्रारंभ श्री श्री 108 श्रीराम चरित मानस सह हनुमत प्राण प्रतिष्ठा ज्ञान महायज्ञ को लेकर जल कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें गांव की सैकड़ों महिलाएं एवं युवतियां शामिल हुई।यज्ञ आचार्य के रूप में श्री अवध किशोर पांडेय आचार्य दीलिप पांडेय उप आचार्य बबन मिश्रा एवं वेद आचार्य सुजीत पांडेय यज्ञ का अनुष्ठान संपन्न करवा रहे हैं।यज्ञ को लेकर आकर्षक पंडाल एवं साज सज्जा,प्रकाश व साउंड की व्यवस्था की गई है।

यज्ञ शाला में हो रहे वैदिक मंत्रोंचारण से पूरा परिसर भक्तिमय हो गया है।इस दौरान निवर्तमान जिप सदस्य भोला सिंह यज्ञ कमिटी के अध्यक्ष योगेंद्र साव सचिव धानेश्वर साव कोषाध्यक्ष अमरेन्द्र सिंह सदस्य बिरेन्द्र साव,नारायण साव,पुनीत साव,मिथलेश सिंह,गंगाधर साव,मोहन साव,रीतलाल साव,रामेश्वर साव,बालेश्वर साव,पुरन साव,धनेश्वर साव,मेघलाल साव,लाखो साव, कुलदीप साव,शिवा साव,मित्तल साव,जागेश्वर साव, पिन्टू साव,शंकर सिंह,अरुण राय,सुखपाल सिंह, उपेंद्र सिंह,नीलकंठ साव,डालो साव,झंडु साव,रामदेव सिंह आदि लोग यज्ञ अनुष्ठान में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

मालवाहन की चपेट में आने से स्कूटी सवार दो लोग घायल, भेजे गए अस्पताल

धनबाद । जिले के तेतुलमारी सुभाष चौक के पास आज शुक्रवार को मालवाहन पिकअप वैन की चपेट में आने से स्कूटी सवार दो लोग घायल हो गए।जिसे देख स्थानीय लोगो की भीड़ जुट गई।वही इस घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर घायलों को इलाज के लिए धनबाद भेज दिया।इसके अलावा पुलिस ने वाहनों को जब्त कर आगे की प्रक्रिया में जुट गई।इस दुर्घटना में स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई।

छह माह से अंधेरे में है आदिवासी बहुल गांव वनडीहवा

- जले ट्रांसफार्मर को बदलने की गुहार

बेरमो । चारों ओर बिजली की चकाचौंध के बीच नावाडीह प्रखंड का आदिवासी बहुल गांव के लोग छह माह से अंधेरे में जीवन गुजारने को विवश हैं. नावाडीह प्रखंड अंतर्गत कंजकिरो पंचायत के वनडीहवा के ग्रामीण पिछले छह माह से अंधेरे में रह रहे हैं. भीषण गर्मी में ग्रामीणों के दिन तो किसी तरह कट जाते हैं, लेकिन रात को बिजली के बिना उनकी परेशानी बढ़ जाती है। वनडीहवा गांव में करीब 6 माह से बिजली नहीं है। कारण 63 केवी का ट्रांसफार्मर जल गया है।इस गांव में 70 घर आदिवासियों के हैं।

ग्रामीणों ने गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, सूबे के शिक्षा मंत्री सह डुमरी विधायक जगरनाथ महतो और संबंधित विभाग को भी ट्रांसफार्मर जलने की सूचना दी गई है। इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। गौर करने की बात यह है कि ट्रांसफार्मर जलने के बाद भी बिजली बिल चालू है।गांव के मोतीलाल किस्कु, बबली सोरेन ने बताया कि शाम होते ही गांव अंधेरे में डूब जाता है, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों को मोबाइल चार्ज करने के लिए बगल के गांव में जाना पड़ता है। 6 माह से यहां के ग्रामीण परेशान हैं।

गांव के ग्रामीणों ने अपनी दुख सुनाते हुए कहते हैं कि भले ही राज्य में सरकार हेमंत सोरेन की है। लेकिन यहां के ग्रामीण ढ़िबरी युग में जीने को विवश हैं।पंचायत चुनाव को लेकर दिन-रात भोंपू की आवाज ग्रामीण सुन रहे हैं। जिप सदस्य, मुखिया, पंसस प्रत्याशी वोट के लिये पहुंच रहें हैं। लेकिन 6 माह से बिजली नहीं जल रहीं है, उस पर किसी का ध्यान नहीं है। ग्रामीण कहते हैं कि किसको सुनाए, कौन सुनेगा, इसलिए थक-हार कर ढिबरी जला रहें हैं।

मोटर खराब, चिरकुंडा में पानी के लिए हाहाकार

निरसा। चिरकुंडा नगर परिषद के शहरी जलापूर्ति के मोटर में आयी खराबी के कारण क्षेत्र में जलापूर्ति ठप हो गयी। जलापूर्ति ठप होने से करीब एक लाख लोग पेयजल से हल्कान हो गये।मुखलाल पासवान, भाष्कर लायक, संजय ,विमल ,गणेश, अनपुर्णा देवी,शांति, राधा आदि ग्रामीणों ने बताया कि जलापूर्ति का पेमेंट प्रत्येक महीने समय पर दिया जाता है लेकिन कभी वैल खराब तो कभी मोटर खराब का कर्मचारी बात करते हैं। कहा कि नगर परिषद नरक परिषद बन गया है। पार्षद भारती कुमारी, मो आरीफ,अभया राखा,नैना शर्मा ने आरोप लगाया है कि रांची के ओ एंड जी कम्पनी द्वारा मैंनटेंस काम दिया गया। लेकिन न तो काम देखते हैं न ही क्षेत्र में पेयजल की आपूर्ति सही ढंग से करते हैं।क्षेत्र के सुभाष नगर,लायकडीह,नेहरु रोड,ग ांजागली,सोनारडंगाल,नीचे बाजार, अम्बेडकर चौक,औघड़ डंगाल आदि जगहों मे पेयजल आपूर्ति ठप है। मैथन फुलबगान में चिरकुंडा जलापूर्ति के लिए लगे मोटर खराब है। जिससे पेयजल आपूर्ति ठप हो गई है। नगर अध्यक्ष डब्लू बाऊरी ने कहा कि मोटर में खराबी आ गयी है। जल्द पेयजल आपूर्ति शुरू कर दी जायेगी।

श्रमिक नेता स्व कृष्ण मुरारी पांडेय की 27 वी पुण्यतिथि मनाई गई

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बेरमो। पूर्व सांसद रविंद्र कुमार पांडेय के फुसरो स्थित आवासीय कार्यालय में मजदूर नेता स्वर्गीय कृष्ण मुरारी पांडे की 27वी पुणयतिथि मनाई गई। लोगों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि विधायक कुमार जयमंगल सिंह ने कहा कि उनके जीवन से त्याग,समर्पण,व जनसेवा सीखने की जरूरत है। कहा कि स्व पांडेय जी ने अपने सुख-सुविधा त्यागकर केवल समाज के दबे-कुचले लोगों का उपर उठाने के लिए संघर्ष किया। उन्होने सीसीएल की नौकरी से इस्तीफा देकर समाज और मजदूर हित में अतिंम समय तक कार्य किया। जिसके कारण आज समाज के हर तबके के बीच लोकप्रिय है। उनकी विचारधारा और आर्दशो की समाज में स्थापित करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजली होगी।उन्होने जात-पात से उपर उठकर राजनीतिक करने की बात कही।पूर्वजों के द्वारा दिये संस्कार पर चलने की बात कही। कहा कि पूर्व सांसद रविन्द्र कुमार पांडेय का कार्यकाल बेदाग-निर्विवाद रहा। कहा कि कोरोना काल वर्तमान सांसद से पूर्व सांसद ने ज्यादा लोगो की सेवा किया। उनकी जिम्मेवारी समाज के हित में कार्य करने की और ज्यादा बढ गई है। पूर्व सांसद श्री पांडेय ने कहा कि स्व पांडेय अपने लिए पूरी जिदंगी नही जिए,बल्कि दूसरो के लिए ही संर्घष करते रहे। पूर्व मुख्यमंत्री स्व बिन्देशवरी दूबे के साथ कंधा से कंधा मिलाकर मजदूरों का काम करते रहे। कहा कि जात-पात, धर्म-संप्रदाय से उपर उठकर बिना भेद-भाव के क्षेत्र के लोगो की सेवा करते रहेगे। उन्होने कहा कि पूरी कर्तव्यनिष्ठ एवं ईमानदारी से क्षेत्र की जनता की सेवा करते हुए भाजपा को मजबुत किया। वह सांसद रहे या न रहे क्षेत्र की लोगो की सेवा करते रहेंगे। कहा कि मे जनता का सेवक हूं और संघर्ष में विश्वास रखते हैं। कहा कि वह मेरे जीवन के प्रेरणा स्त्रोत हैं। हर परिस्थिति मुझे उनसे कुछ ना कुछ सीखने का मौका मिला। मैं उनके बताए रास्ते पर चलकर ही जनसेवा से जुड़ा हूं। धन्यवाद ज्ञापन मजदूर नेता गिरिजाशंकर पांडेय ने किया।बीएंडके जीएम एम के राव,अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, उपाध्यक्ष छेदी नोनिया, जिला अध्यक्ष भरत यादव,सहित शत्रुधन सिंह,गायत्री तिवारी,अफताब आलम खान, देवतानंद दुबे,विनोद महतो,रविंद्र कुमार मिश्रा,अरुण सिह,तारकेश्वर महतो,भाई प्रमोद सिंह,टीनू सिंह,गजेंद्र प्रसाद सिंह,दिनेश सिह,आदि ने कहा कि स्वर्गीय कृष्ण मुरारी पांडेय बेरमो कोयलांचल के प्रेरणास्त्रोत रहे हैं। कहा कि अपने लिए सभी जीवन जीते हैं,दूसरे के लिए भी जीवन जीते हैं,उन्हीं लोग याद करते हैं।कहा कि जिसका जन्म प्रकाश पर पर हुआ है,उनके विचार भी प्रकाश फैलाने वाले थे।संचालन पूर्व जिलाध्यक्ष जगरनाथ राम ने किया। मौके पर संत सिंह, विक्रम पांडेय, प्रमोद सिह,रामकिंकर पांडेय,अभय कुमार सिंह,उतम सिंह, वैभव चौरसिया,विनय पाठक,जवाहर लाल यादव,टुनटन तिवारी,जितेंद्र दुबे,ओम शंकर सिंह,टीनू सिंह,दिनेश पांडेय,जितेंद्र सिंह,रेणुका पांडेय,राधा देवी,सरोजनी दूबे आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

पुलिस लाइन से मतदान दलों को आवश्यक सामग्री एवं वाहन के साथ किया गया डिस्पैच

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

साहिबगंज। त्रिस्तरीय आम पंचायत चुनाव के प्रथम चरण की मतदान प्रक्रिया आज से शुरू हो रही है।जिला प्रशासन द्वारा निर्वाचन हेतु सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।इस संदर्भ में शुक्रवार को पुलिस लाइन साहिबगंज स्थित मैदान में प्रथम चरण के तीन प्रखंड बोरियो, पतना एवं बरहरवा प्रखंड के मतदान दलों को मतदान संबंधित सामग्री एवं वाहन उपलब्ध कराने के लिए डिस्पैच सेंटर से संबंधित पार्टियों ने हस्ताक्षर करते हुए मतदान संबंधित सामग्री ली एवं अपने पीठासीन पदाधिकारी एवं मतदान दल के सभी सदस्य एवं उन्हें उपलब्ध कराए गए पुलिस बल के साथ अपने अपने मतदान केंद्र को रवाना हुए।जिला प्रशासन द्वारा डिस्पैच सेंटर में पेयजल,शौचालय की सुविधा,चिकित्सा सुविधाएं और हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई थी।इसके साथ ही एलईडी स्क्रीन के माध्यम से डीसी ने मतदान कर्मियों को संबोधित भी किया।इसी संबंध के डिस्पैच सेंटरों पर व्यवस्था को परखने के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त राम निवास यादव पुलिस अधीक्षक अनुरंजन किस्पोट्टा एवं सामान्य प्रेक्षक डिस्पैच स्थल पर पहुंचे।जहां डीसी ने डिस्पैच की प्रक्रिया का जायजा लिया।जहां उन्होंने डिस्पैच में लगे कर्मियों से पूरी प्रक्रिया की जानकारी ली।एसपी अनुरंजन किस्पोट्टा ने बताया कि पोलिंग पार्टियों के संग सुरक्षाकर्मी डिस्पैच हो रहे हैं एवं सभी प्रक्रिया सुचारु रूप से चल रही है।उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास तय समय से पहले सुरक्षाकर्मी और मतदानकर्मी अपने बूथ तक पहुंच जाए।

- **जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने मतदान कर्मियों को किया प्रेरित**

इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त राम निवास यादव ने सभी मतदान कर्मियों से उनका हालचाल जाना एवं उन्हें संबोधित करते हुए कहा कि मतदान सामग्रियों का मिलान कर लें एवं जाने से पूर्व अपने दल के सभी सदस्यों के साथ समन्वय स्थापित कर यह सुनिश्चित करने की सभी सदस्य उपस्थित हो तथा अपने साथ में खाने के लिए खाद्य पदार्थ एवं पीने के लिए पानी अवश्य लें।उन्होंने मतदान कर्मियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सेक्टर मजिस्ट्रेट मतदान से पूर्व, मतदान के दिन एवं मतदान के बाद पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्यों का निर्वहन करें और जिले में मतदान की प्रक्रिया को आसान बनाते हुए सफलता से निर्वाचन संपन्न कराएं।

इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि मतदान के दिन प्रत्येक दो दो घंटे पर सभी को मतदान से संबंधित रिपोर्ट करना है।डीसी ने कहा कि उपलब्ध कराए गए वहां से अपने मतदान दल के साथ ही निकलना सुनिश्चित करें और जल्द से जल्द अपने बूथ पर पहुंचकर रिपोर्ट करें। डीसी ने मतदान कर्मियों से कहा कि निर्वाचन की पूरी जिम्मेदारी एवं सफलता आपके हाथों में है।इसलिए अपने कर्तव्य एवं दायित्वों का निर्वहन करें अपने दल एवं पुलिस फोर्स के साथ समन्वय स्थापित करते रहें और अपने वरीय पदाधिकारियों के साथ जुड़े रहें।उन्होंने कहा अपने स्थिति एवं व्यवस्थाओं का रिपोर्ट करते हुए सूचना उपलब्ध कराते रहें ताकि किसी भी स्थिति को समय रहते काबू किया जा सके। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामनिवास यादव ने मतदान कर्मियों से कहा कि शांतिपूर्ण वातावरण में निष्पक्ष निर्वाचन ही जिला प्रशासन का उद्देश्य है आपको सफलता से निर्वाचन कराने के लिए अग्रिम शुभकामनाएं।मौके पर डीडीसी,अपर समाहर्ता विनय मिश्र एवं जिला एवं सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी उमेश कुमार एवं निर्वाचन ड्यूटी पर लगाए गए अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

तीन प्रखंडों में प्रथम चरण के चुनाव में 138 संवेदनशील बूथों पर सुरक्षा को लेकर की गई है विशेष व्यवस्था

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

साहिबगंज। जिले में पंचायत चुनाव के प्रथम चरण में बरहरवा,पतना एवं बोरियो प्रखंड के संवेदनशील व अतिसंवेदनशील 138 बूथों पर सुरक्षा को लेकर विशेष व्यवस्था की गई है।पहले चरण में करीब 20 फीसदी बूथ संवेदनशील व अतिसंवेदनशील चिन्हित किया गया है।इन इन सभी चिन्हित बूथों पर विशेष रूप से सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती की गई है।सुपर पेट्रोलिंग पार्टी एवं जोनल मजिस्ट्रट को इन बूथों पर खास तौर पर नजर रखने के निर्देश दिया गया है।पुलिस सूत्रों के अनुसार 494 भवनों में 668 बूथ हैं।इनमें से 30 बूथ अतिसंवेदनशील,108 बूथ संवेदनशील व शेष 530 सामान्य बुथ है।पहले चरण में सबसे बड़ा क्षेत्र बरहड़वा है।बरहड़वा प्रखंड के ये बूथ कुल 227 भवनों में 312 बुथ है। पश्चिम बंगाल राज्य की सीमा से सटा होने के कारण सबसे अधिक 76 बूथ संवेदनशील या अतिसंवेदनशील चिन्हित किया गया है।इस प्रकार बोरियो प्रखंड में 22 संवेदनशील व 08 अति संवेदनशील एवं पतना प्रखंड में 28 संवेदनशील व 04 अतिसंवेदनलशील बूथ हैं। एसपी अनुरंजन किस्पोट्टा ने बताया कि अतिसंवेदनशील 30 बूथों पर 89 पुलिस बल, संवेदनशील 108 बूथों पर 236 स्टेटिक पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है एवं 626 पुलिस बल को सामान्य बूथों पर तैनात किया गया है।

वृद्ध को मारपीट कर किया गंभीर रूप से घायल, परिजनों ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

राजमहल,साहिबगंज। राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत नया बस्ती वृद्ध के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।सुत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 55 वर्षीय अंकुर राय पिता सुखा राय बीते रात अपना खेत देखने के लिए गए हुए थे कि इसीसी बीच वृद्ध को आंख लगने पर कुछ देर बाद रामदेव राय,छेदी राय,पप्पू राय,गाली गलौज करते हुए वृद्ध को मारपीट शुरू कर दी।मारपीट में वृद्ध व्यक्ति का दाहिना पैर टूट गया एवं सर पर गंभीर चोट लगने से घायल हो गया। वही रात में गुजर रहे लोगों ने इनकी सूचना उसके परिजनों को दी।सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचकर घायल को उठाकर इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल ले गए।वहीं उपस्थित चिकित्सक के द्वारा उक्त घायल का इलाज कर और बेहतर इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल भेज दिया। परिजनों के द्वारा इसकी सूचना राजमहल थाना को दिया गया। मामले में राजमहल थाना प्रभारी ने कहा कि छानबीन की जा रही है। जांच के बाद आवशयक कार्यवाही की जाएगी।

राजधानी वासियों को पेय जल नसीब नहीं...

इस भीषण गर्मी में रांची के लोगों को पीने का पानी नहीं मिल पा रहा है:संजय पोद्दार

- **बोरिंग हैंडपंप फेल**
- **पानी खरीद कर लोग पीने को हो रहे विवश**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

रांची। अंतराष्ट्रीय वैशय महासम्मेलन के प्रदेश सचिव संजय पोद्दार ने रांची में पानी की घोर किल्लत पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि रांची सहित कई क्षेत्रों में लोगों को इस भीष्म गर्मी में पीने का पानी तक नसीब नहीं हो पा रहा है। रांची के कई क्षेत्रों में बोरिंग हैंडपंप फेल हो चुके हैं।

यहां के लोग पानी खरीद कर पी रहे हैं। रांची के कई इलाके ड्राई जोन में तब्दील हो चुके हैं। जिसके कारण पानी की घोर किल्लत हो गई है। लोग रात रात भर जाग कर पानी की आपूर्ति का इंतजार कर रहे हैं। सरकार सप्लाई पानी भी रोज नहीं दे पा रही है।कई इलाके में तो दो तीन दिनों में पानी एक या 2 घंटे के लिए आती है। उसका भी समय का निर्धारण नहीं है। जिसको मिला वो नसीब वाला।

नगर निगम के द्वारा किया गया बोरिंग कई जगह तो बहुत पहले किया गया है या तो वह खराब है या उससे कम पानी निकल रहे हैं।

नतीजतन लोगों को दूर से पानी लाना पड़ रहा है या फिर पानी के लिए रतजगा करना पड़ रहा है।

कहा कि सम्मेलन सरकार से मांग करती है कि सप्लाई पानी की प्रतिदिन आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही हर क्षेत्र के लिए एक समय निर्धारित किया जाए। वही नगर निगम खराब पड़े चापानल की अविलंब मरम्मत करें।उन्होंने कहा कि साथ ही साथ भविष्य को ध्यान में रखते हुए पानी संरक्षण पर भी सरकार को ध्यान देने की आवशयकता है।

जिप प्रत्याशी मालती देवी को जनसंपर्क के दौरान मिला लोगों का आपार समर्थन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

नारायणपुर/जामताड़ा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2022 को लेकर नारायणपुर प्रखंड में चुनावी सरगर्मी काफी तेज हो गई है।इस पंचायत चुनाव को नारायणपुर प्रखंड क्षेत्र में द्वितीय चरण में 19 मई 2022 को चुनाव होना है। पंचायत चुनाव को लेकर नारायणपुर प्रखंड में प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतर कर जन संपर्क कर लोगों से अपना समर्थन मांगने में जुट गए हैं। इसी के आलोक में आज जिला परिषद भाग संख्या-2 के प्रत्याशी मालती देवी अपने पति पूर्व जिला परिषद सदस्य उमाचरण साव के साथ मिलकर नारायणपुर प्रखंड के कई गांवों में जन संपर्क कर लोगों से इस

पंचायत चुनाव में समर्थन कर जीत दिलाने का अपील किया।जन संपर्क अभियान के दौरान उन्होंने नारायणपुर प्रखंड के देवलबाडी, नयाडीह, मिरगा, मंझलाडीह, कानाडीह, इरकिया, बूटबेरिया सहित कई गांवों में पहुंच कर लोगों से टेंपू छाप पर मतदान करने का अपील करते हुए कहा कि आपलोग मुझ पर विश्वास कर टेंपू छाप पर मतदान कर चुनाव में जीत का आशिर्वाद दें, मैं इस क्षेत्र का विकास करने का काम करूंगी।उन्होंने कहा कि मैं चुनाव जीत कर आने पर सबसे पहले अपने इस क्षेत्र में व्याप्त बिजली समस्या को दूर करने के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त कर हर घर हर खेत में पानी ओर हाथ को काम दिलाने का काम करूंगी। जन संपर्क अभियान के दौरान जिला परिषद भाग संख्या-2 के प्रत्याशी मालती देवी को जनता का आपार समर्थन मिलता दिख रहा है तथा गांव के लोगों ने चुनाव से पूर्व उन्हें जीत की बधाई देकर उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किये।मौके पर उत्तम मंडल, परेशचन्द्र दास, कमल हांसदा,टीपन राणा, ऊसमान अंसारी,गोपाल राणा, दुखन महतो,कंचन महतो, तुलसी महतो आदि लोग मौजूद थे।

मुखिया व वार्ड सदस्य प्रत्याशियों के दैनिक व्यय लेखा पंजी की हुई समीक्षा

फतेहपुर/जामताड़ा। प्रखण्ड सभागार फतेहपुर में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन-2022 के प्रत्याशियों मुखिया एवं वार्ड सदस्य के दैनिक व्यय लेखा पंजी की समीक्षा सहायक व्यय प्रेक्षक द्वारा किया गया। निर्वाची पदाधिकारी सह प्रखण्ड विकास पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी द्वारा सभी प्रत्याशी को अपना अपना व्यय के विवरणी जमा करने के लिए कहा गया था। सभी प्रत्याशी वार्ड सदस्य एवं मुखिया का दैनिक व्यय पंजी की समीक्षा जिला मुख्यालय द्वारा प्रतिनियुक्त सहायक व्यय निरीक्षक राकेश कुमार सिन्हा, मुकेश कुमार देव, राकेश कुमार सिंह, साकेश कुमार सिन्हा द्वारा किया गया। इस अवसर पर डीआरडीए नाजिर नीरज कुमार चौधरी,प्रदीप कुमार,मधुकर , बीपीआरओ,प्रधान सहायक आदि उपस्थित थे।

खुशीलाल पंडित राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में साहिबगंज कॉलेज का करेंगे प्रतिनिधित्व

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

साहिबगंज। साहिबगंज कॉलेज के एनएसएस यूनिट चार के वॉलिंटियर खुशीलाल पंडित राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में साहिबगंज कॉलेज का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसका आयोजन एनएसएस,युवा खेल कूद एवम सांस्कृतिक मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा जमशेदपुर में आगामी 18 मई से 24 मई 2022 तक किया जाना है।साहिबगंज कॉलेज के एनएसएस यूनिट चार के जिला नोडल अधिकारी डॉ रणजीत कुमार सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक व शैक्षणिक कार्यक्रम होंगे। जिसमें पूरे देश के लगभग सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए हुए छात्र-छात्राएं अपने-अपने बौद्धिक गतिविधि , प्रतियोगिता,कला को प्रस्तुत करेंगे।उन्होंने बताया कि खुशीलाल पंडित ने क्विज, भाषण,वाद-विवाद,कविता आदि शैक्षणिक गतिविधियों में कई बार विश्वविद्यालय, राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाकर साहिबगंज कॉलेज का नाम रौशन किया है।उन्हें सांस्कृतिक कार्यक्रम, गीत-संगीत इत्यादि में भी अभिरुचि है।इसलिए हम सभी यह आशा के साथ शुभकामनाएं देते हैं कि एनएसएस के सक्रिय स्वयंसेवक खुशीलाल पंडित इस राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर अपने कालेज के साथ सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय का भी नाम रौशन करें। मालूम हो कि डॉ रणजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में कई छात्र छात्रों ने अंतराष्ट्रीय राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर जिले का नाम रौशन किया है। मौके पर साहिबगंज महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ राहुल कुमार संतोष,एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी सह जिला नोडल पदाधिकारी डॉ रणजीत कुमार सिंह, डॉ संतोष कुमार चौधरी,नितिन घोष एवं साहिबगंज महाविद्यालय के सभी शिक्षकगणों ने उन्हें शुभकामनाएं दी।खुशीलाल पंडित ने अपने इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता,बड़े भाई नवीन पंडित,अपने गुरू शिक्षक डॉ रणजीत कुमार सिंह जो हम छात्रों का आदर्श है समय समय पर सभी को समान अवसर, प्रतियोगिता के लिए प्रेरित करते रहते है।

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी देते हुए छात्र छात्राओं को किया जागरूक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

साहिबगंज। शहर के संत जेवियर हिंदी मेडियम विद्यालय में कक्षा 7वीं के छात्र,छात्राओं के साथ खुला मंच का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई।बच्चों को जागरूक कर बताया गया कि राष्ट्रीय नंबर 1098 24×7 घंटे चलने वाली आपातकालीन सेवा है,जो मुसीबत में गिरे बच्चों को सहायता प्रदान करने के लिए पूरे भारत में संचालित है।

इसके अलावा बच्चों से संबंधित अधिकार एवं बाल व्यापार,बाल विवाह,बाल श्रम,बाल उत्पीड़न आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं झारखंड सरकार द्वारा चलाई जा रही बच्चों के हित में कल्याणकारी योजनाओं जैसे एकल माता पिता जिसके बच्चों को 2000 प्रति माह पढ़ाई लिखाई हेतु दिया जाना होता है) (पालक माता-पिता जिन बच्चों का कोई नहीं होता है) मुख्यमंत्री सुकन्या योजना की भी जानकारी दी गई।

बताया गया कि अगर किसी बच्चे को मदद की जरूरत है, वह अधिकारों से वंचित हो रहे हो या बालक,बालिकाओं को कोई बहला-फुसलाकर ले जाया जा रहा हो,बाल विवाह हो,कहीं पर बच्चों से काम करवाया जा रहा हो,मारता पीटता हो या स्कूल जाते वक्त ट्यूशन जाते वक्त कोई छेड़छाड़ का मामला हो,तो इसकी सूचना तुरंत 1098 पर निश्चित रूप से दें जिससे उन बच्चों का भविष्य बच सके।

मौके पर चाइल्डलाइन समन्वयक रूबी कुमारी चाइल्ड लाइन टीम से मनीष पासवान,नीना सिन्हा, अंजली सिंह,बबीता झा,श्वेता वर्मा उपस्थित थें।

संक्षिप्त समाचार

लक्ष्मी माता मंदिर की आधारशिला रखी

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मसलिया के जेरवा खिलकनाली गांव में शुक्रवार को लक्ष्मी माता मंदिर की आधारशिला रखी गई। 2003 से जेरवा खिलकनाली गांव में लक्ष्मी माता की पूजा हो रही है। यहां 17 वर्षों से सार्वजनिक लक्ष्मी पूजा मनायी जाती है। पुरोहित सुबोध झा ने कर्मकांडी के अनुसार मंदिर की आधारशिला ग्रामीणों के साथ रखी गई। ग्रामीण उज्ज्वल पंडित ने बताया कि ग्रामीण और इलाके के लोगों के सहयोग से माता मंदिर का निर्माण किया जाएगा।

विद्यालय के 80 भाई बहनों को दिया गया टीकाकरण

साहिबगंज/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शहर के जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में कोरोना महामारी से बचाव हेतु टीकाकरण अभियान डॉ अमित कुमार, एएनएम खुशबू कुमारी एवं ऑपरेटर मो॰ आसिफ रजा के नेतृत्व में चलाया गया।टीकाकरण अभियान के बारे में बताते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य रामदेव राम ने बताया कि कोरोना महामारी से बचाव हेतु टीका अवशय लें।टीकाकरण अभियान में विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं सारे आचार्य बंधुगण उपस्थित थे।इस टीकाकरण अभियान में कथा 6 से कक्षा 10 के लगभग 80 भैया/बहनों को टीका लगाया गया।

मुखिया चुनावी कार्यालय का हुआ उद्घाटन

हजारीबाग/ दारू । दारू प्रखंड के दारू पंचायत मुखिया प्रत्याशी सुनील कुमार उर्फ भोला का चुनावी कार्यालय का उद्घाटन किया गया । कार्यालय का उद्घाटन फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर सेवानिवृत्त उच्च विद्यालय बिरहू के शिक्षक सरजू प्रसाद एवं वरिष्ठ नागरिक जानकी प्रसाद महतो ने किया। साथ ही साथ लोगों में काफी उत्साह देखा गया। सुनील कुमार की जीत सुनिश्चित बताई जा रही है। जिसका चुनाव चिन्ह डिश एंटीना छाप है। सरजू प्रसाद एवं जानकी प्रसाद महतो ने दारू पंचायत के सभी मतदाताओं से अपील करते हुए आग्रह किया कि सुनील कुमार उर्फ भोला को अधिक से अधिक मत देकर विजयी बनाएं। मौके पर भैया नितेश कुमार,अशोक कुमार, जीतन राम, बाजू सिंह ,संजय कुमार, शंकर कुमार ,नवीन कुमार, कुलदीप प्रसाद, राजू कुमार, राहुल कुमार, मनीष कुमार, अजीत कुमार, अप्पू शर्मा सहित कई अन्य मौजूद थे।

अदानी कंपनी के दो अधिकारियों के साथ बदतमीजी के आरोप में सात ग्रामीणों पर मामला दर्ज

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड के गोंदलपुरा गांव के ग्रामीणों पर अदानी कंपनी के दो अधिकारियों के साथ गाली -गलौज, नोकझोंक एवं मारपीट करने का प्रयास का आरोप में 7 लोगों को नामजद एवं अन्य अज्ञात लोगों को अभियुक्त बनाते हुए बड़कागांव थाना में मामला दर्ज कराया गया है। कंपनी के अधिकारी संजय कुमार पोद्दार एवं कमलेश राणा के संयुक्त हस्ताक्षर युक्त आवेदन पर बड़कागांव थाना कांड संख्या 121/ 22 धारा 341, 323, 504, 506, 34 भादवी के तहत सरोज कुमार महतो, विकास महतो उर्फ विनय, देवचरण महतो, किशोरी गोप उर्फ किटू, मुटर राणा उर्फ नन्हक, राजेश करमाली एवं विकास महतो को नामजद अभियुक्त एवं अन्य अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। आवेदन में कहा गया है कि कंपनी के काम से गोंदलपुरा कोल ब्लॉक के पोषक क्षेत्र हाहे बलोदर गांव की ओर गए थे। वापस लौटने के समय उक्त लोगों द्वारा घेरकर गाली- गलौज एवं नोकझोंक के साथ मारपीट करने का भी प्रयास किया गया। किसी प्रकार वहां से जान बचाते हुए निकल गए। आवेदन में कहा गया है कि भविष्य में भी उक्त लोगों द्वारा किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना हम लोग के साथ कर सकते हैं। इस संबंध में सरोज कुमार, विकास महतो, किशोरी गोप आदि ने बताया कि यह सब सरासर झूठा आरोप है। यह सब खेल पंचायत चुनाव से जुड़ा हुआ है। कंपनी के समर्थक उम्मीदवार द्वारा इस प्रकार की कंपनी के अधिकारियों से मिलकर षड्यंत्र रचने का काम किया गया है।

दो पक्षों में मारपीट के दौरान घायल युवक गया कोमा में, लोगों में आक्रोश

- **हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग को ले थाने में प्रदर्शन**

धनबाद। कतरास क्षेत्र में गुहीबांध के पास तीन दिन पहले दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में गंभीर रूप से घायल पवन कुमार केशरी के कोमा में चले जाने के बाद परिजन समेत पंजाबी मोहल्ला के दर्जनों लोगों ने कतरास थाना पहुंचकर पुलिस से अविलंब आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। साथ ही कोमा में गए पवन केशरी के इलाज का खर्च आरोपियों से देने की मांग भी थानेदार के समक्ष रखा। कहा कि जल्द न्याय नहीं मिलने पर थाना चौक के समक्ष सड़क जाम कर धरना पर बैठ जाएगें। थानेदार रंधीर सिंह के आश्वासन के बाद परिजन समेत पहुंचे लोग वापस लौट गए। बता दें कि कतरास के भगत सिंह चौक के पास बाइक व ओमनी वाहन के आपस में सट जाने को लेकर दोनों पक्षों के बीच गुहीबांध में मारपीट हो गयी थी। इस दौरान पवन गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसका इलाज धनबाद के जालान हॉस्पिटल में चल रहा था। युवक के कोमा में चले जाने के बाद उसे कोलकाता रेफर कर दिया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। लेकिन स्थिति ठीक नहीं बतायी जाती है। पुलिस ने घायल युवक के भाई के फर्द बयान पर मामला दर्ज कर लिया है और कार्रवाई शुरू कर दी है.

आतंकी मंसूबे

घाटी के मुसलमान भी चाहते थे कि वे लौट कर अपनी जगह-जमीन पर फिर से कब्जा लें। मगर कुछ सालों से, खासकर जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त होने के बाद जिस तरह की कटुता वहां पैदा हुई है, उसकी प्रतिक्रिया में भी पंडितों की हत्या हो रही है। पिछले दिनों घाटी से पंडितों के पलायन को लेकर एक फिल्म आई, तो उस पर देश भर में चर्चा हुई।

कश्मीर घाटी में एक बार फिर पंडितों को निशाना बनाया जा रहा है। कई सालों से उन्हें घाटी में बसाने के प्रयास चल रहे थे, इसमें कुछ कामयाबी भी मिलने लगी थी, मगर अब इसकी उम्मीद धुंधली पड़ने लगी है। बडगाम के चडूरा तहसील कार्यालय में घुस कर जिस तरह दहशतगर्दों ने एक कश्मीरी पंडित की हत्या कर दी, उससे स्वाभाविक ही वहां के लोगों में रोष बढ़ा है।

इससे एक बार फिर पंडितों के घाटी छोड़ने को लेकर चिंता पैदा हो गई है। ताजा घटना की जिम्मेदारी जिस कश्मीर टाइगर्स नामक संगठन ने ली है, वह बिल्कुल नया जान पड़ता है। यानी अब वहां दहशतगर्दों के नए संगठन बन रहे हैं या पुराने संगठन नए नामों से सक्रिय हो गए हैं।

इस घटना से यह भी जाहिर है कि इस संगठन का निशाना खासतौर से कश्मीरी पंडित हैं। हालांकि लंबे समय से वहां सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ी है, खुफिया एजेंसियां सक्रिय रहती हैं और सेना के तलाशी अभियान निरंतर चलते हैं, उसके बावजूद दहशतगर्दी पर नकेल नहीं कसी जा रही, वे नए नामों से सिर उठाने लगे हैं, तो इससे यही रेखांकित होता है कि इस दिशा में नए ढंग से रणनीति बनाने की जरूरत है।

बडगाम की ताजा घटना अकेली नहीं है। पिछले साल इसी तरह एक दवा विक्रेता कश्मीरी पंडित की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। उसका परिवार शुरू से घाटी में ही रह रहा था। पिछले महीने भी एक कश्मीरी पंडित की इसी तरह हत्या कर दी गई। पिछले सात सालों में ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं। इसके पहले कश्मीरी पंडितों की हत्या का सिलसिला रुक गया था और अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के समय विस्थापित पंडितों को दुबारा घाटी में लौटाने और बसाने का अभियान चला था।

घाटी के मुसलमान भी चाहते थे कि वे लौट कर अपनी जगह-जमीन पर फिर से कब्जा लें। मगर कुछ सालों से, खासकर जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त होने के बाद जिस तरह की कटुता वहां पैदा हुई है, उसकी प्रतिक्रिया में भी पंडितों की हत्या हो रही है। पिछले दिनों घाटी से पंडितों के पलायन को लेकर एक फिल्म आई, तो उस पर देश भर में चर्चा हुई।

उसे लेकर एक बार फिर कश्मीरी पंडितों के हक की मांग कुछ तीखे स्वर में उठने लगी। ऐसे में स्वाभाविक रूप से घाटी के अलगाववादी संगठनों की भी कड़ी निंदा हुई। इसकी प्रतिक्रिया भी इन नई घटनाओं के रूप में देखी जा सकती है। कश्मीरी पंडितों को घाटी में फिर से बसाने के लिए उन्हें सरकारी नौकरियों में जगह सुरक्षित रखने का प्रावधान किया गया।

इस तरह कई विस्थापित पंडितों को वहां नौकरियां मिलीं और वे अपने पैतृक घरों को सुधार कर रहने लगे। बडगाम में जिस युवक की हत्या कर दी गई, वह भी इसी योजना के तहत वहां रहने गया था। अब इस घटना से वहां इस तरह वापस गए लोगों में दहशत पैदा होना स्वाभाविक है।

इसलिए सरकार की जवाबदेही को लेकर सवाल उठने लगे हैं। केवल नौकरी देने और विस्थापितों को कश्मीर में वापस लौटाने की कोशिश से इस दिशा में कामयाबी नहीं मिलेगी। उनकी सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम करने होंगे। जब तक वे सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे, भला कब तक वहां टिके रह सकेंगे। हैरानी की बात है कि तहसीलदार के कार्यालय में घुस कर कैसे वहां काम कर रहे युवक को गोली मार कर आतंकी आसानी से निकल गए।

कुछ अलग

मार्केट ने बढ़ाई निवेशकों की उलझन

इस समय भारत ही नहीं, कई देशों के शेयर बाजार बुलंदियों पर हैं। हर दिन नया रेकॉर्ड। सिर्फ एक साल में ही बंबई शेयर बाजार का सूचकांक यानी सेंसेक्स 13 हजार से भी ज्यादा अंक बढ़कर 60,000 की रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। छह साल पहले यह 30,000 पर था। जिन निवेशकों ने एक साल या उससे पहले पैसे लगाए थे, उनमें से ज्यादातर इस समय मालामाल हो चुके हैं। एक्सपर्ट्स दबी जुबान में ऐसी तेजी की बातें तो कह रहे थे, लेकिन उनमें से कोई भी आश्वस्त नहीं था कि बाजार यहां तक पहुंचेगा। आज हालत यह है कि कई कंपनियों के शेयर दोगुने से भी ज्यादा बढ़ चुके हैं। इस बाजार ने सभी को कुछ न कुछ दिया जरूर है। भले ही अभी कुछ दिनों से मिड कैप के शेयर सुस्त पड़े हैं, लेकिन किसी समय निवेशकों ने उनमें भी चांदी काटी है। यानी माहौल कमाई का है और शेयर बाजार में बड़े-छोटे, देशी-विदेशी निवेशक लगातार आ रहे हैं। पैसे का प्रवाह जिसे लिक्विडिटी कहते हैं, बढ़ता ही जा रहा है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यह है कि सारी दुनिया में ब्याज दरें सबसे कम स्तर पर हैं। अमेरिका-यूरोप में तो ब्याज दरें शून्य या माइनस में ही हैं। विदेशी निवेशकों यानी एफआईआई के लिए यह एक बढ़िया मौका रहा है। उन्होंने बड़े पैमाने पर निवेश किया है और करते ही जा रहे हैं। लगातार तीसरे साल में भी विदेशी निवेशकों ने 9 अरब डॉलर निवेश कर दिया है। वह यहां से कमा भी रहे हैं और लगा भी रहे हैं। उनके पास डॉलर की कोई कमी नहीं है और वे दुनिया भर के उभरते बाजारों पर नजरें गड़ाए हुए हैं। निवेश का कोई मौका वे जाने नहीं दे रहे। विदेशी एक्सपर्ट भारतीय शेयर बाजार को अभी महत्व दे रहे हैं। यह बात अलग है कि वे अचानक कब गायब हो जाएं, उसका पता नहीं। लेकिन अभी इसके आसार नहीं दिख रहे। अभी तो तेजी की गंगा बह रही है। भारत में भी ब्याज दरें काफी कम हो गई हैं। बैंक तो तीन-साढ़े तीन परसेंट तक ही ब्याज दे रहे हैं। स्मॉल सेविंग्स की तमाम योजनाओं में अब काफी कम रिटर्न मिलने लगा है। रियल एस्टेट मंदी और ओवर सप्लाई के दौर से गुजर रहा है। सोने में भारी तेजी आई थी, हालांकि अब इसकी चमक थोड़ी धीमी पड़ी है। असल में कोरोना महामारी के कारण लोग घरों में बंद हो गए और उनके पास अतिरिक्त आय का कोई जरिया नहीं रहा। ऐसे में शेयर बाजार उनके काम आया। इसका नतीजा हुआ कि इसमें देसी निवेशकों की बाढ़ आ गई।

भले ही अभी कुछ दिनों से मिड कैप के शेयर सुस्त पड़े हैं, लेकिन किसी समय निवेशकों ने उनमें भी चांदी काटी है। यानी माहौल कमाई का है और शेयर बाजार में बड़े-छोटे, देशी-विदेशी निवेशक लगातार आ रहे हैं।

विचार

संगीता की अभिनव परियोजना आई आई एम द्वारा अपनी साइट पर लगाई गई

बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दियो बताय

यह सचमुच अकल्पनीय लगता है कि लगातार पांच वर्ष तक देश की इंटरनेशनल जूनियर फुटबाल टीम को अहमदाबाद के एक सरकारी स्कूल ने चार प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिए हैं। जिनमें से अरूणा चौहान को 2019 में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी घोषित किया गया। वहीं 2012, 2016 और 2019 के गुजरात सरकार द्वारा लगाए गए गणित एवं विज्ञान प्रदर्शनी में इसी विद्यालय के बच्चों ने राज्य स्तर पर अपना लोहा मनवाया। ख्याति प्राप्त प्राईवेट स्कूलों को पीछे छोड़ते हुए थलतेज प्राथमिक शाला नम्बर एक के विद्यार्थियों ने अहमदाबाद में विज्ञान से लेकर खेल के क्षेत्र मे तहलका मचा रखा है। यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों में आत्मविश्वास भरने वाला, कदम-कदम पर मार्गदर्शन करने वाला कोई और नहीं इसी स्कूल में 2006 से कार्यरत, राज्य सरकार से श्रेष्ठ शिक्षक का सम्मान प्राप्त कर चुके संघ के स्वयंसेवक श्री महेश भाई ठक्कर हैं। आरम्भ से ही संघ की पद्धति से ही शिक्षा, संस्कार व राष्ट्रवाद का बीजारोपण अपने विद्यार्थियों में कर, एक सफल इंसान व राष्ट्रभक्त नागरिक बनाने को प्रेरित करते, महेश भाई के कार्य काल में मिट्टी के फ्रिज का बेहतरीन माडल बनाकर ऊर्जा उत्सव 2003 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी से सम्मानित होकर बोपल सरकारी स्कूल के बच्चों ने इतिहास रच दिया था। एक शिक्षक होने के नाते ज्ञान के महत्व को समझते हुए, 6 से 14 साल के बच्चों के लिए नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा सरकारी नियम के तहत अनेक मजदूरों व झुग्गी बस्तियों के बच्चों को शाला जाने के लिए प्रेरित तो किया ही, साथ ही बच्चों के अविभावकों को व्यसन मुक्त जीवन जीने के लिए नियमित काउंसलिंग भी की। सन् दो हजार में पाटन जिले के दातरवाडा गांव में शिक्षक रहते हुए नशा मुक्त जागरण अभियान के तहत पूरे दातरवाडा गांव को व्यसन मुक्त करने में उन्होंने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ईश्वर ने हर बच्चे में अद्भुत विशेषता और योग्यता दी है, जरूरत है तो एक उत्तम शिक्षक की जो उस प्रतिभा को पहचान कर उसे उसकी बुलंदियों तक पहुंचाएं। छठी कक्षा में आई संगीता प्रजापति का एडमिशन मानसिक कमजोरी के कारण किसी भी स्कूल में नहीं हो रहा था। सरकारी नियमानुसार महेश भाई ने प्रिंसिपल से बात करके संगीता को अपनी देखरेख में रखा, चित्रकला में उसकी रुचि को पहचान कर उसे प्रोत्साहित किया। आठवीं कक्षा पास करते-करते संगीता पूर्णतय: सामान्य हो चुकी थी। संगीता की अभिनव परियोजना आई आई एम द्वारा अपनी साइट पर लगाई गई है। 10वी पास संगीता ड्राइंग टीचर बनने का सपना देख रही है। अहमदाबाद के सभी प्रतियोगिताओं में स्कूल के बच्चों की प्रतिभा का परचम हर क्षेत्र में कैसे लहराए? इसी चिंतन और उद्देश्य के साथ, महेश भाई ने अपनी स्कूल के कक्षा 5 से 8 तक के सभी बच्चों के लिए, 2012 में गांव के इसी सरकारी स्कूल से पढकर वैज्ञानिक बने श्री कनक भाई पटेल के सहयोग से कमला बा नि:शुल्क पाठदान केंद्र का प्रारंभ किया । सेवा बस्ती में राशन वितरण करने आई प्रयास क्लब की चार महिलाओं ने महेश भाई से प्रभावित होकर यहां नि:शुल्क समय देने का निर्णय लिया।आज इसी केंद्र में विज्ञान,

रश्मि दाधीच

अरूणा चौहान को 2019 में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी घोषित किया गया। वहीं 2012, 2016 और 2019 के गुजरात सरकार द्वारा लगाए गए गणित एवं विज्ञान प्रदर्शनी में इसी विद्यालय के बच्चों ने राज्य स्तर पर अपना लोहा मनवाया। ख्याति प्राप्त प्राईवेट स्कूलों को पीछे छोड़ते हुए थलतेज प्राथमिक शाला नम्बर एक के विद्यार्थियों ने अहमदाबाद में विज्ञान से लेकर खेल के क्षेत्र मे तहलका मचा रखा है। यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों में आत्मविश्वास भरने वाला, कदम-कदम पर मार्गदर्शन करने वाला कोई और नहीं इसी स्कूल में 2006 से कार्यरत, राज्य सरकार से श्रेष्ठ शिक्षक का सम्मान प्राप्त कर चुके संघ के स्वयंसेवक श्री महेश भाई ठक्कर हैं।

गणित, हिंदी, इंग्लिश,कंप्यूटर और चित्रकला जैसे सभी विषयों को प्रयास क्लब की 43 महिलाएं, ना केवल नि:शुल्क पढ़ाती है बल्कि, अपने बच्चों की तरह उनकी हर जरूरत का भी ध्यान रखती है। पूरे वर्ष बिना किसी अवकाश के चलता, यह ट्यूशन केंद्र पूरी तरह नि:शुल्क और बच्चों के विकास के लिए समर्पित है। सैध्दांतिक के साथ प्रायोगिक जानकारी लेने के लिए इन सभी बच्चों को सुंदरवन, इसरो, साइंस सिटी, सेरीनिटी बॉटनिकल गार्डन आदि विभिन्न स्थानों पर साल में कई बार नि:शुल्क भ्रमण पर ले जाया जाता है। महेश भाई कहते हैं ङ्क जैसे एक मोची की नजर हमेशा जूते पर रहती है, ठीक वैसे ही एक शिक्षक की नजर भी अपने बच्चों की प्रतिभा पर रहनी चाहिए। वर्ष 2011 से लगातार साइंस प्रोजेक्ट को मापदंड बनाकर प्रति वर्ष 15-16 विद्यार्थी चुने जाते हैं। जो सप्ताह में 1 दिन अपनी झोपड़ियों से निकलकर, संपन्न परिवारों के बच्चों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पूरे सम्मान से विक्रम साराभाई साइंस सेंटर की लैब में विभिन्न प्रयोग करते हैं। प्रत्येक विद्यार्थी अपनी कक्षा के करीब 40 बच्चों का टीचर बनकर अपना ज्ञान साझा करता है। साइंस सेंटर से जुड़े बच्चों के सभी खर्च साइंटिस्ट एवं एनजीओ उठाते हैं। शिक्षा सरकार पर ही नहीं समाज पर भी आधारित हो महेश भाई की इस सोच को 27 एनजीओ का सहयोग मिला। इन बच्चों की सभी जरूरतें इन्हीं के माध्यम से पूरी हो रही है। कक्षा 8 उतीर्ण 2016 में अंतरास्ट्रीय स्तर पर धूम मचा चुकी लड़कियों की जूनियर टीम आज विश्व भारती शाला थलतेज की शान हैं। स्वीडन की एक कंपनी स्यस्न के सहयोग से आज इन बच्चों के हौंसले आसमान को छू रहे हैं, तो वहीं साइंस, कंप्यूटर एवं योग कक्षा में ज्ञान अर्जित करते,राज्य स्तर पर हिंदी और ड्राइंग की प्रतियोगिताओं में भाग लेते बच्चे हर क्षेत्र में अपना लोहा मनवा रहे हैं। निर्धनता बच्चों की पढाई जारी रखने में बाधा न बन जाए इसलिए कक्षा 8 उतीर्ण प्रत्येक बच्चे को ट्रैक कर जीरो ड्रॉपआउट का टारगेट पूरा किया। बच्चे व अविभावक निरंतर महेश भाई के संपर्क में रहते हैं। कोविड के कारण कक्षा 10 और 12 की परीक्षाएं देने के बाद बच्चों के सामने बहुत बड़ा संकट था, कि वह किस दिशा में जाए? अपनी रुचि के क्षेत्रों में जाने के लिए इतने पैसे कहां से लाएं ? वो अध्यापक, प्रशासनिक अधिकारी,अभियंता बनना चाहते थे। गत जून इन बच्चों को एकत्रित कर मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता के सहयोग से बौद्धिक लब्धि और शैक्षिक लब्धि जाँच की गई। कई चरणों की मीटिंग से गुजर कर, ना केवल उनका मार्गदर्शन किया अपितु 16 लड़कियों को आगे की प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी और प्रवेश के पश्चात उनकी फीस का सहयोग भी दिया गया। एक शिक्षक का वेतन ज्यादा नहीं होता पर यदि उसकी सोच, उसके प्रयास और उसका दृष्टिकोण पूर्णतया देश के भविष्य अर्थात बच्चों के साथ जुड़ जाए तो समाज ही नहीं संपूर्ण देश की तस्वीर बदल सकती है। यह सिद्ध किया है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक महेश भाई ने।

ब्लॉग

जवाहरलाल नेहरू और सुभाष चंद्र बोस ने भी एशियाई एकजुटता का समर्थन किया

विश्व क्वाड, ऑकस के भंवर में अशांत एशिया

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगौर अगर आज जीवित होते, तो बहुत दुखी होते। एक कवि-दार्शनिक, जिन्होंने एशियाई एकता की अथक वकालत की, एशिया में फूट और संघर्ष तथा पश्चिमी शक्तियों द्वारा महाद्वीप को प्रतिद्वंद्विता में फंसाने के मौजूदा प्रयासों को देखकर पूरी तरह व्यथित हो गए होते। उन्होंने जितने एशियाई देशों का दौरा किया, उतना उनके समय के किसी अन्य नेता ने नहीं किया। जब 1921 में उन्होंने विश्व भारती की स्थापना की, तो उनका मुख्य लक्ष्य भारत और अन्य एशियाई देशों को जोड़ने वाले सदियों पुराने सभ्यता, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक बंधनों को पुनर्जीवित करना था। वह अकेले भारतीय नहीं थे, जिनके पास यह दृष्टि थी। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सुभाष चंद्र बोस ने भी एशियाई एकजुटता का समर्थन किया। गुरुदेव के सपनों का एशियाई मस्तिष्क आज खंडित है। जो देश कभी उपनिवेशवाद के शिकार थे, वे अलग हो गए हैं। दुनिया की 60 फीसदी आबादी का घर एशिया तेजी से अशांत होता जा रहा है और पश्चिमी शक्तियां प्रतिस्पर्धी समूह बनाने और संघर्ष की आग भड़काने की कोशिश कर रही हैं। दुखद है कि एशिया में आंतरिक झगड़े शांति को नुकसान पहुंचा रहे हैं और अपने लोगों की भलाई के उद्देश्य वाले पारस्परिक लाभकारी सहयोग के अवसरों को बंद कर रहे हैं। पश्चिम एशिया ने हाल के दिनों में कई युद्ध देखे हैं- ईरान-इराक युद्ध, इराक पर अमेरिका का हमला, सीरिया एवं यमन में चल रहे युद्ध। दक्षिण एशिया में अफगानिस्तान को चार दशकों के बाहरी युद्धों और आंतरिक संघर्षों का सामना करना पड़ा। अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद भी अफगानिस्तान को स्थिरता और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण हासिल करने में मदद करने के लिए भारत और अन्य क्षेत्रीय पड़ोसियों द्वारा कोई सहयोगात्मक प्रयास नहीं किया गया है। ऐसा मुख्य रूप से तालिबान की

क्वाड हो या ऑकस, भारतीयों और अन्य एशियाई लोगों को इसकी चिंता होनी चाहिए कि कैसे हमारे समुद्र और महासागर युद्धपोतों और पनडुब्बियों के लिए तेजी से खेल का मैदान बन जाएंगे। क्वाड एशिया को एक नए शीतयुद्ध और महंगे हथियारों की प्रतिस्पर्धा का केंद्र बना सकता है।

धार्मिक कट्टरता और भारत-पाकिस्तान की शत्रुता के कारण है। आजादी मिलने के 75 साल बाद भी भारत और पाकिस्तान अच्छे-पड़ोसी का संबंध स्थापित करने के लिए तैयार नहीं हैं। हमारी निरंतर शत्रुता के कारण दक्षेस (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ), जिसका सदस्य अफगानिस्तान भी है, पूरी तरह से निष्क्रिय हो गया है। अफसोस की बात है कि भारत ने काबुल में शांति और समावेशी सरकार को बढ़ावा देने के लिए चीन, रूस, ईरान और पाकिस्तान से संबद्ध एक क्षेत्रीय सहयोगी प्रयास से खुद को अलग करने का फैसला किया है, जबकि इस मुद्दे पर इन पांच देशों के बीच कोई मतभेद नहीं है कि तालिबान शासन को आतंकवादी संगठनों को अभयारण्य मुहैया नहीं करना चाहिए। इस मंच से जुड़ने के बजाय भारत अपनी अफगान नीति को अमेरिका के साथ जोड़ रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अमेरिका अफगानिस्तान में %आतंकवाद-विरोधी हवाई अभियानों% को अंजाम देने के लिए %उत्तर-पश्चिम भारत% में किसी स्थान पर कथित तौर पर सैन्य अड्डे बनाने का प्रयास कर रहा है। इसके लिए सहमत होना भारत और इस क्षेत्र के देशों के लिए विनाशकारी होगा। भारत इस बात पर ठीक ही जोर देता रहा है कि तालिबान को भारत के खिलाफ अफगानी जमीन का इस्तेमाल नहीं करने देना चाहिए। तो फिर, हम अपनी धरती से अमेरिका के अफगान-विरोधी अभियानों की अनुमति कैसे दे सकते हैं? भारत और चीन, दो महान पड़ोसी एशियाई सभ्यताएं संघर्षों में उलझी हुई हैं। अगर इसे नियंत्रित नहीं किया गया, तो इन दोनों देशों के साथ-साथ महाद्वीप और दुनिया भर के लिए यह विनाशकारी होगा। भारत-चीन प्रतिद्वंद्विता के साथ-साथ दक्षिण चीन सागर में अपने पड़ोसियों के साथ समुद्री विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने में चीन की विफलता ने अमेरिका को फायदा उठाने का मौका दिया है।

देश दुनीया से

लोकतंत्र को कमजोर करते चुनावी वादे

इन दिनों राजनीतिक दलों की ओर से चुनाव के दरम्यान तमाम योजनाओं के लुभावने वादों पर बहस तेज है। कुछ वर्षों से राजनीतिक दल मतदाताओं के खाते में धन जमा कराने का वादा करने लगे हैं। इससे पहले लंबे समय तक रुपये और शराब बांटने का सिलसिला चलता रहा है। चूंकि अब पुलिस और आबकारी विभागों की सख्ती तथा आयकर विभाग की निगरानी के चलते नोट फॉर वोट देना आसान नहीं रहा है। पकड़े जाने पर खुद की, और पार्टी की बदनामी से पराजय का खतरा भी रहता है। ऐसे में सियासी पार्टियां सत्ता में आने पर घूस का लालच देने से नहीं चूकतीं। घूस का यह सिलसिला दक्षिण भारतीय राज्यों में तो दशकों से चल रहा है। कहीं खुलेआम साड़ियां बांटी जाती थीं, तो कहीं मोबाइल फोन बंटते थे। कुछ उदाहरण ऐसे भी थे, जब उम्मीदवार मतदाताओं को दुपहिया वाहन देता था। पार्टियों के घोषणा पत्रों में भी लैपटॉप से लेकर साइकिल तक देने का वादा किया जाता है। जो दल चुनाव जीतने के बाद अस्पताल में दवाएं और डॉक्टर नहीं देता, स्कूलों में अच्छी पढ़ाई और शिक्षक नहीं देता, सड़क, पानी, बुनियादी सुविधाएं नहीं देता, वह स्पेशल ट्रेन चलाकर बूढ़ों को तीर्थ कराता है, लैपटॉप बांटता है, जूते बांटता है, बंदूकों के लाइसेंस बांटता है, लड़कियों की शादी में कन्यादान-किट देता है। हमारी चुनाव प्रणाली को कोई एतराज नहीं होता। मतदाता के तौर पर राजनीतिक दलों की गलतियों को हम भूल जाते हैं। हम जैसे-जैसे साक्षर और आधुनिक होते जा रहे हैं, दिमागी तौर पर और सिकुड़ते जा रहे हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में कहा है कि नागरिकों के अधिकार पहनने के आभूषण नहीं हैं। लोगों को इनका उपयोग करना चाहिए। अदालत ने नकद राशि मतदाताओं के खातों में डालने के एलानों पर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार से कैफियत मांगी है। न्यायालय ने एक याचिका पर यह स्पष्टीकरण तलब किया है, जिसमें कहा गया है कि जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 123 के तहत यह भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। भारतीय संविधान भी श्रम और उत्पादकता तय किए बिना नकद बांटने की मंशा का समर्थन नहीं करता। यदि सारी पार्टियों ने ऐसा करना शुरू कर दिया, तो यह आलसियों का देश बन जाएगा और बिना मेहनत पेट भरने का आदी हो जाएगा। (वैसे काफी हद तक हम भारतीय ऐसे ही हैं) याचिका दाखिल करने वालों का कहना था कि 2019 के चुनाव में एक राष्ट्रीय और एक प्रादेशिक पार्टी ने अपने घोषणापत्रों में न्याय योजना के तहत 72,000 रुपये हर साल मतदाता को देने का वादा किया था। इसकी विस्तृत व्याख्या की जाए, तो यह माना जाना चाहिए कि किसी घर में माता-पिता और नौजवान बेटा-बेटी है, तो करीब-करीब तीन लाख रुपये हर साल उन्हें घर बैठे मिलेंगे। एक मध्यमवर्गीय परिवार 25 हजार रुपये में अपना गुज़ारा आराम से कर लेता है। करोड़ों परिवार तो इतना भी नहीं कमाते। इस तरह का पैसा उन्हें नाकारा बना देता है। राष्ट्रीय चरित्र निर्माण के लिए भी यह अत्यंत घातक है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस संबंध में निर्वाचन आयोग को भी आड़े हाथों लिया है। उसने कहा कि आयोग केवल नोटिस और आदेश जारी न करे। उसे कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है और उसे यही करना भी चाहिए। लेकिन क्या सिर्फ न्यायालय इस चुनावी भ्रष्टाचार को रोक सकता है? दशकों से चुनाव के दौरान सीमा से अधिक खर्च होता है। उम्मीदवारों ने पैसे बहाने के नए चोर दरवाजे खोज लिए हैं। सब जानते हैं, लेकिन सिलसिला नहीं रुक रहा है। जिस मुद्दे पर उच्च न्यायालय का द्वार खटखटाया गया है, वह दरअसल चुनाव आयोग का काम है।

चुनाव आयोग के अपनी नैतिक और विधायी शक्ति का इस्तेमाल करने में कंजूसी करने से राजनीति को विकृत करने वाले तत्वों के हौसले बढ़े।

बोधि वृक्ष

परमपिता से एकाकार हो जाना ही मोक्ष

परमात्मा इस सृष्टि का केंद्र हैं और सारे प्राणी उनके चारों ओर परिक्रमा करते हैं। उसी तरह, जैसे किसी परमाणु के इलेक्ट्रॉन उसके न्यूक्लियस का चक्कर लगाते हैं। जिस दिन परमपिता की कृपा हो जाती है, उस दिन केंद्र और परिधि की दूरी मिट जाती है। प्राणी मोक्ष को प्राप्त हो जाता है। भी एक ही सर्वोच्च पूर्वज (परमपिता) की संतान हैं। उन्होंने इस ब्रह्मांड की रचना की और उन्होंने इस भौतिक संसार को, साथ ही साथ अपने जीवित बच्चों को भी बनाया। अब जब उन्होंने भौतिक दुनिया, निर्जीव दुनिया, पौधों और मनुष्यों का निर्माण किया, तो सामान्य ज्ञान कहता है कि जाति, पंथ, धर्म, राष्ट्रीयता, शिक्षा के स्तर या ज्ञान के स्तर के बावजूद पूरी दुनिया उनके बच्चों की है। जो शारीरिक, मानसिक या आध्यात्मिक शक्ति का मानक है। यह निहित स्वार्थ हैं, जो उनके मतलब और आधार उद्देश्यों के साथ-साथ जीवित प्राणियों के बीच, विशेष रूप से मनुष्यों के बीच असमानता पैदा करते हैं। जो लोग दूसरों का शोषण करते हैं और दूसरों को उनके वैध व पैतृक अधिकारों से वंचित करके इस दुनिया का आनंद लेना चाहते हैं, वे समाज के दुश्मन हैं। वे मानवता के दुश्मन हैं और सुसंस्कृत और सभ्य दुनिया के दुश्मन हैं। परमपिता के बनाए हुए प्राणी, उनके प्यारे बेटे और बेटियां, उनके बच्चे, उनके चारों ओर घूम रहे हैं। वे खुद को परमपिता से अलग नहीं कर सकते, क्योंकि वह सर्वोच्च केंद्र हैं और अन्य सभी नाभिक के चारों ओर घूमने वाले इलेक्ट्रॉनों की तरह हैं। तो पुरुषोत्तम, परम पुरुष, सर्वोच्च पिता, सर्वोच्च पूर्वज केंद्र में हैं और अन्य लोग उनके चारों ओर घूम रहे हैं और नृत्य कर रहे हैं। वे अपनी विभिन्न मानसिक और शारीरिक शक्तियों के साथ आगे बढ़ते हैं।

पाठक पत्र

आदमखोर से निजात कब?

पिछले दिनों शिमला जिला के कनलोग क्षेत्र में घात लगाए बैठे चीते ने पांच वर्षीय प्रियंका नाम की लड़की को मार दिया। यह अत्यंत दुखद घटना है। कुछ तो लोग कोरोना से आतंकित है, ऊपर से हिंसक पशु इतने दुस्साहसी हो गए हैं कि घरों से उठाकर बच्चों को ले जाते हैं। इस परिवार के लिए यह सचमुच ही दुखद घटना है। एक-दो दिन चर्चा के बाद फिर स्थिति पूर्ववत हो जाएगी। कुछ मुआवजे की बात होगी और फिर वही ढाक के तीन पात। जो जानें चली गईं, वे हरगिज लौटकर नहीं आ सकती। अब सवाल यह है कि हिंसक पशुओं का संरक्षण क्या मानव से भी अधिक मूल्यवान और जरूरी है। सरकार को कोई ऐसी नीति बनानी चाहिए ताकि लोगों को हिंसक पशुओं से राहत मिल सके। पर्यावरण भी तभी सुरक्षित रहेगा, जब मानव सुरक्षित व खुशहाल रहेगा।

-किशन सिंह गतवाल, सतौन, सिरमौर

आर एन आई (टी सी) नं-JHAHIN01027, स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ सिकंदर कुमार द्वारा मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी दुमका से संचालित, प्रधान संपादक डॉ सिकंदर कुमार,मोबाइल नं-9955599136(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

ब्यूटी टिप्स

बिना प्रॉडक्ट्स के दिखना है खूबसूरत तो खाएं ये चीजें

बढ़ती उम्र के कारण स्किन अपनी नैचुरल ब्यूटी खो देती है, जिस वजह से चेहरे पर बारीक रेखाएं और झुर्रियां दिखने लगती है। वैसे तो इससे बचने के लिए लोग मार्किट में मिलने वाले महंगे प्रॉडक्ट का इस्तेमाल करते है, लेकिन ऐसी कोई क्रीम या प्रॉडक्ट नहीं होता जो आपकी स्किन की खूबसूरती को सालों-साल बरकरार रखते हो। मार्किट में मिलने वाले इन ब्यूटी प्रॉडक्ट्स में कई कैमिकल्स होते है, जो स्किन को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाते है। ऐसे में आप कुछ हैल्दी फूड्स खाकर अपनी स्किन को जवां बनाएं रख सकती है क्योंकि जब आप हैल्दी फूड खाते है तो इसका सीधा असर स्किन पर पड़ता है। आज हम आपको कुछ ऐसे ही फूड्स के बारे में बताने जा रहे, जिनको आप अपनी डाइट में शामिल करके जिंदगीभर जवां बनी रह सकती है।

एंटीऑक्सीडेंट्स

अपने रोजाना की डाइट में एवोकैडो, संतरा, टमाटर, स्ट्रॉबेरीज़, चुकंदर, गाजर, आलू और नींबू जैसी चीजों को शामिल करे क्योंकि इनमें विटामिन्स और मिनरल्स भरपूर होते है। इससे आप झुर्रियों की समस्या से बचे रह सकते है।

फैट्स

फैट्स से भरपूर फूड्स स्किन की अंदरुनी नमी को बनाए। साथ ही स्किन हाइड्रेटेड रहती है। इसलिए अपनी डाइट में घी और ऑयल को शामिल करें।

प्रोटीन

स्किन में टिश्यू बनाने के लिए प्रोटीन जरूरी होते है। ये आपकी स्किन को यंग दिखाने के साथ इसे अंदर से मजबूत बनाता है।

इन्हें खाने से बनाएं दूरी

अगर आपको पिंपल्स की परेशानी हो तो दूध से बनी चीज़ों से परहेज करें। इसके साथ स्मोकिंग, एल्कोहल, मीठी चीज़े, मैदा जैसी चीजों को भी अपनी डाइट से दूर रखें।

प्रैग्नेंसी के दौरान स्लीपिंग पोजीशन का ध्यान रखना भी है जरूरी

प्रैग्नेंसी के दैरान महिलाए अपने खान-पान से लेकर छोटी-छोटी बातों का खास ख्याल रखती है। ऐसे में छोटी सी गलती भी मां और शिशु के लिए खतरनाक हो सकती है। ऐसी स्थिति में गलत तरीके से सोने पर पेट पर दबाव पड़ने के कारण बच्चे के वजन और सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। आइए जानते है प्रैग्नेंसी के दौरान आपको कैसी स्थिति में सोना चाहिए।

- ऐसी स्थिति में महिलाओं को बाई तरफ की पोजीशन में सोना चाहिए। इससे बच्चे को अच्छी ब्लड सप्लाई, ऑक्सीजन और पोषण मिलता है।
- शुरूआत के महीनों में महिलाओं को सीधा होकर सोना चाहिए। इससे बच्चे का विकास अच्छी तरह होता है।
- बाई पोजीशन में सोते समय आप पैरों की बीच तकिया रख लें। इससे आपको कमर दर्द की शिकायत नहीं होगी।
- प्रैग्नेंसी के दौरान चैन से सोने के लिए आप सॉफ्ट पिलो का भी इस्तेमाल कर सकती है।

- इस दौरान दाईं तरफ सोने से आपको सारी रात जगना पड़ सकता है। दांई तरफ सोने से आपकी नींद बार-बार खुलने लगती है जिसके कारण आपकी नींद पूरी नहीं होती।
- गलती से भी प्रैग्नेंसी के दौरान पेट के बल न सोएं। इससे पेट में आपका बच्चे की पोजिशन चेंज हो सकती है और डिलवरी के समय आपके परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।
- पेट के बल सोने से आपको सूजन और पेट दर्द जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए ऐसे समय में भूलकर भी पेट के बल न सोएं।

दुल्हन हो या उसकी बहन, ये यूनिक मेंहदी डिजाइन्स जरूर लगाएं

इंडियन वैडिंग में मेंहदी लगाना शगुन माना जाता है, तभी तो शादी के एक फंक्शन में मेंहदी का फंक्शन भी रखा है। शादी केवल दूल्हन ही नहीं बल्कि उसके फ्रैंड्स, रिश्तेदार भी लगाते है। इसके अलावा अगर काफी फैस्टिवल हो तो महिलाएं मेंहदी लगाकर अपना शौक पूरा करती है। आजकल हाथों ,पैरों के साथ पीठ पर और पेट पर भी इसका ट्रैंड बढ़ गया है. मेहंदी भी कई तरह की होती है जैसे अरेबियन, राजस्थानी,कलरड,टैटू और चूड़ीदार डिजाइन्स अन्य आदि। अगर बात दुल्हन की मेहंदी की हो तो उसका डिजाइन्स कुछ हटके होना चाहिए क्योंकि नए घर में हर कोई उसकी मेहंदी देखेगा और मेहंदी की रंगत को लेकर भी काफी चर्चा होती है। अगर आप भी मेहंदी के खूबसूरत और ट्रैंडी डिजाइन्स तलाश रही है तो हम आपको कुछ डिजाइन्स बताएंगे, जिनसे आप भी आईडियाज ले सकते है।

अरेबिक मेहंदी डिजाइन

राजस्थानी मेहंदी डिजाइन

सुझाव

छिपकली और कीड़े-मकौड़ों को दूर करेंगे ये घरेलू नुस्खे

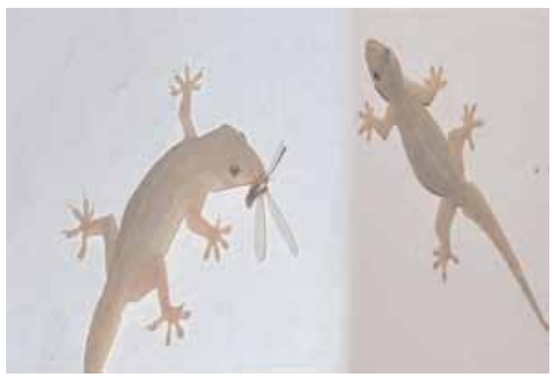

गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा परेशानी घर में आने वाले मच्छर-मक्खियों और छिपकली की वजह से होती है। रसोई में खाने के समान पर मक्खियों का झुंड लग जाता है और दीवारों पर चिपकी छिपकलियां देखने में बहुत गंदी लगती हैं। अगर खाने की किसी भी चीज में इनके कण गिर जाए तो सेहत को काफी नुकसान होता है। इसके लिए कुछ घरेलू उपाए करके इन कीट-मकौड़ों को दूर किया जा सकता है।

छिपकली

रसोई या घर के जिस भी हिस्से में छिपकलियां आएं वहां पानी में काली मिर्च मिलाकर स्प्रे करें। इसके अलावा लहसुन की कलियां रखने से भी छिपकली नहीं आती।

चूहे

घर में चूहे होने पर काफी परेशानी होती है। कई बार तो यह कपड़े भी खराब कर देते हैं। ऐसे में जिस जगह पर ज्यादा चूहे आते हों वहां कटे हुए प्याज और फिनायल की गोलियां रखने से चूहे नहीं आते।

मच्छर

खतरनाक मच्छर की वजह से डेंगू और चिकनगुनिया जैसे बुखार फैल सकते हैं। इनसे छुटकारा पाने के लिए घर के अंदर नीम की सूखी पत्तियां जलाएं।

खटमल

खटमल के काटने पर स्किन पर रैशेज और खुजली की समस्या हो जाती है। इनसे बचाव रखने के लिए जिस भी जगह सोना हो वहां बैडशीट पर पुदीने की पत्तिया रगड़ें।

मक्खी

मक्खियों को दूर करने के लिए घर में कपूर जलाकर धुआं करें। इसके अलावा जिस जगह पर ज्यादा मक्खियां आती हों वहां एक सेब में कुछ लोंग दबाकर रख दें।

चीटियां

गर्मियों में कई बार बाथरूम या रसोई की दीवारों पर बहुत ज्यादा चीटियां इकट्ठी हो जाती हैं। ऐसे में चीटियों के गढ्ढों में टैलकम पाउडर, हल्दी या फिटकरी को पीस कर छिड़क सकते हैं।

कॉकरोच

रात के समय जब लाइट बंद हो जाती है तो किचन और बाथरूम में कॉकरोच आ जाते हैं। इन्हें दूर करने के लिए उस जगह पर बेकिंग सोडा और चीनी फैला दें। इसके अलावा घर के सभी कोनों में लोंग रखने से भी कॉकरोच नहीं आते।

यहां हजारों साल पहले की गई कलाकारी आज भी है कायम

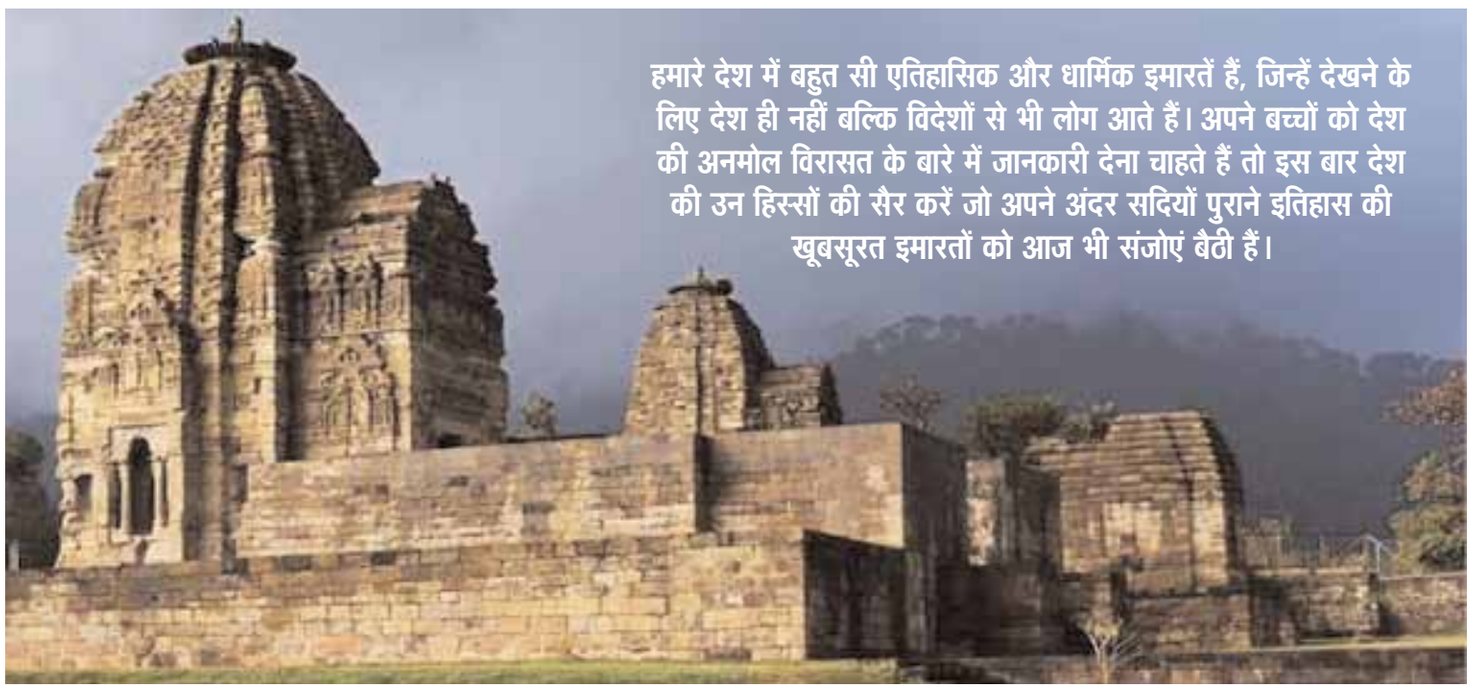

हमारे देश में बहुत सी एतिहासिक और धार्मिक इमारतें हैं, जिन्हें देखने के लिए देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लोग आते हैं। अपने बच्चों को देश की अनमोल विरासत के बारे में जानकारी देना चाहते हैं तो इस बार देश की उन हिस्सों की सैर करें जो अपने अंदर सदियों पुराने इतिहास की खूबसूरत इमारतों को आज भी संजोएं बैठी हैं।

क्रिमची

जम्मू कश्मीर में स्थित क्रिमची ऊधमपुर का एक छोटा- सा गांव है। ऐसा माना जाता है कि यहां पर भारत का सबसे पुराना मंदिर है। जो पांडव मंदिर के नाम से जाना जाता है। यहीं पर खूबसूरत पचेरी हिल रिसॉर्ट भी है। जहां पर आप परिवार के साथ एंज्वाय भी कर सकते हैं।

कांगड़ा

हिमाचल प्रदेश का कांगड़ा हिमाचल की खूबसूरत घाटियों में से एक है। यहां पर आप खूबसूरत वादियां,हिमालय पिरामिड,मैसूर रॉक कट टैंपल,कांगड़ा फोर्ट, तारागढ़ फोर्ट के साथ और भी बहुत सी जगहों पर घूम सकते हैं।

जागेश्वर

जागेश्वर में देखने के लिए बहुत पुराने और खूबसूरत मंदिर हैं। यहां पर 124 के करीब मंदिर हैं, इस जगह पर घूमने का अलग ही मजा है।

खजुराहो

देश की पुरानी कला और संस्कृति को देखना चाहते हैं तो मध्यपद्रेश के छतरपुर जिले में स्थित खजुराहो का मंदिर फेमस है। अपने अनोखे स्थापत्य के लिए जाने जाते इन मंदिरों को देखने के लिए दुनिया भर से टूरिस्ट यहां आते हैं।

वाराणसी

काशी के नाम से जाने जाते वाराणसी में भी प्राचीन मंदिर देखने के लिए लोग दूर-दूर से यहां आते हैं। ये शहर अपने अनेकों रंगो के कारण प्रसिद्ध है।

पानीपत

पानीपत की लड़ाई बहुत प्रसिद्ध है। हरियाणा में स्थित इस जगह की खोज महाभारत काल के दौरान हुई थी। यहां पर म्यूजियम,मंदिर, इब्राहीम लोधी की कब्रगाह के अलावा और भी बहुत सी जगहें हैं।

भीमाटेक रॉक शेल्टर्स

मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में स्थित यह जगह एक आर्कीयोलॉजिकल साइट है। इन गुफाओं को पाषाण काल के साथ जोड़ कर देखा जाता है। इन पत्थरों पर जानवरों के उकेरे गए चित्र उस समय के लोगों की कलाकृति दर्शाते हैं। कहा जाता है कि यह कलाकार हजारों साल पुरानी है।

रेसिपी

हनी गार्लिक कॉलीफ्लोवर

सामग्री

1 बाउल गोभी (छोटे साइज में कटी हुई),2 लहसुन की कलियां (बारीक कटी), 1 नींबू का रस, 1/4 कप बारीक कटा हरा प्याज, 1/3 कप शहद, स्वादानुसार नमक, 1 चम्मच काली मिर्च, 1/3 कप सोया सॉस, 1 चम्मच चिली सॉस, 1 चम्मच टोमेटो सॉस, 1 कप मैदा, 2 चम्मच अरारोट, 2 कप ब्रैड क्रम,1 कप पानी, तलने के लिए तेल

विधि

सबसे पहले एक बाउल में मैदा लें। इसमें नमक,काली मिर्च और पानी डालकर पतला बैटर तैयार कर लें। अब एक प्लेट में ब्रैड क्रम डालें। गोभी के छोटे-छोटे टुकड़ों को पहले मैदे के घोल में डालें और फिर इन्हें ब्रैड क्रम में डालें ताकि ब्रैड क्रम गोभी के चारों तरफ लग जाए। इसी तरह सारी गोभी पर मैदा और ब्रैड क्रम लगा कर तैयार कर लें। एक कड़ाही में तेल गर्म करें और इसमें गोभी डालकर गोल्डन ब्राउन होने तक फ्राई करें। अब एक दूसरे पैन में सोया सॉस, शहद, लहसुन, नींबू का रस, चिली सॉस और टोमेटो कैचअप डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। एक दूसरी कटोरी में अरारोट लेकर 1 चम्मच पानी घोल तैयार करें और उसे भी पैन में डाल दें ताकि मिक्सचर गाढ़ा हो जाए। जब सॉस गाढ़ी हो जाए तो गैस बंद कर दें। अब एक दूसरी कड़ाही में फ्राई की हुई गोभी डालें और उस पर तैयार सॉस डाल कर अच्छी तरह मिक्स करें। इसे एक प्लेट में निकालें और ऊपर से कटे हुए हरे प्याज से गार्निश करें। आपकी हनी गार्लिक कॉलीफ्लोवर तैयार है। इसे गर्मा-गर्म सर्व करें।

झटपट पनीर

सामग्री

तेल -1 चम्मच, अजवाइन- 1/2 चम्मच, लहसुन - 2 चम्मच, हरी मिर्च - 1 चम्मच, कैचअप -3 चम्मच, चिली सॉस -2 चम्मच, लाल मिर्च -1/4 चम्मच, काली मिर्च - 1/4 चम्मच, चिली फ्लेक्स -1 चम्मच, चाट मसाला -1 चम्मच, नमक -1 चम्मच, पीनट बटर -2 चम्मच, पनीर - 500 ग्राम, सरसों का पेस्ट -1 चम्मच

विधि

एक बड़ी कढ़ाई में 1 बड़ा चम्मच तेल गरम करें। इसमें 1/2 चम्मच अजवाइन, 2 चम्मच लहसुन, 1 चम्मच हरी मिर्च डालकर 3 से 5 मिनट के लिए भूनें, जब तक कि यह सुनहरा भूरा न हो जाए। फिर इसमें 3 चम्मच कैचअप और 2 चम्मच चिली सॉस डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। अब 1/4 चम्मच लाल मिर्च, 1/4 चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच चिली फ्लेक्स, 1 चम्मच चाट मसाला, 1 चम्मच नमक डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इसके बाद 2 चम्मच पीनट बटर डालकर मिलाएं। फिर 500 ग्राम पनीर को इसमें अच्छे से मिक्स करें। अब 1 चम्मच सरसों का पेस्ट डालकर अच्छे से मिलाएं। आपका झटपट पनीर तैयार है। इसे गर्मा-गर्म परोसें।

होम ट्रीटमेंट

घरेलू उपचार से दूर करें सेल्युलाईट ...

सेल्युलाईट की समस्या हर किसी को हो सकती है। यह समस्या महिलाओं में यौवन शुरू होने के साथ बढ़ जाती है। इसमें ज्यादातर महिलाओं के कूल्हे से नीचे के अंगो, पैर, गले और पेट पर होती है। जिसमें झल्लाहट सी महसूस होती है। अगर हम आपको इस समस्या से छुटकारा दिलाने के लिए कुछ घरेलू तरीके बताएंगे।

क्या है सेल्युलाईट?

सेल्युलाईट त्वचा की अंदर वसा की एक परत बना देता है, जो देखने में हल्का सूजा हुआ नारंगी की तरह लगता है। इसका समस्या के होने कारण फाइबर,तरल पदार्थ,रक्त प्रवाह के बिगड़ना हो सकता है। यह समस्या केवल महिलाओं को ही नहीं बल्कि पुरूषों को भी होती है।

सेल्युलाईट का कारण

सेल्युलाईट का सबसे बड़ा कारण आहार, जीवन शैली हार्मोन वृद्धि हो सकते है। तनाव, अधिक वजन, कई बायोटाइप रोग भी सेल्युलाईट की समस्या को जन्म देते है। अगर आप भी इस परेशानी से जल्द छुटकारा पाना चाहते है तो इन तरीको को अपनाएं।

कॉफी

सेल्युलाईट से निजात दिलाने के लिए कॉफी सबसे अच्छा तरीका है। कॉफी शरीर को साफ करने का काम करती है। आप कॉफी और नारियल तेल से शरीर की मालिश करें। इससे त्वचा कसी रहती है और सेल्युलाईट की समस्या कम होती है।

ड्राई ब्रशिंग

शॉवर लेने से पहले मसाज और एक्सफोलिएट के लिए आप ड्राई ब्रशिंग कर सकती है और इसके लिए आपको किसी क्रीम लोशन या स्क्रब की जरूरत नही पड़ेगी बस एक शुष्क ब्रश आपको सेल्युलाईट छुटकारा दिला सकता है।

नारियल तेल, कॉफी और समुद्री नमक

6 चम्मच नारियल तेल में 3 बड़े चम्मच समुद्री नमक और 1 कप कॉफी का मिक्चर तैयार लें। इस पैक को अधिक समय तक सुरक्षित करने के लिए इस पैक को फ्रिज में रख सकती है। इसके पैक को नहाने से पहले प्रभावित जगह पर लगाएं और स्क्रब करें।

जैतून का तेल और ग्लिसरीन

इसका पैक बनाने के लिए 2-3 बड़े चम्मच जैतून तेल,1 चम्मच चीनी, विटामिन ई तेल के 2 चम्मच, आधा कप कॉफी और 1 चम्मच ग्लिसरीन का लेकर पेस्ट बना लें। अब इस पैक को सेल्युलाईट क्षेत्रों पर लगाने के लिए पहले गर्म पानी से स्नान करें उसके बाद कुछ-कुछ मिनटों के लिए गोलाकार गति में मालिश करके धो लें। स्क्रब हुई जगह को प्लास्टिक की चादर से कवर कर लें और लगभग 10 मिनट के बाद ही उसको हटाए। साथ ही अधिक जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से संपर्क करना न भूलें।

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन क्यों है हमारे लिए खतरनाक

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन अर्थात विद्युत चुंबकीय विकिरण से मानव शरीर को होने वालो नुकसान को समझने से पहले हमें इसकी परिभाषा को जानना होगा। इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन शून्य (स्पेस) एवं अन्य माध्यमों से स्वयं-प्रसारित तरंग होती हैं। इसे प्रकाश भी कहा जाता है किन्तु वास्तव में प्रकाश, विद्युत चुंबकीय विकिरण का एक छोटा सा भाग है। दृष्य प्रकाश, एक्स-किरणें, गामा-किरणें, रेडियो तरंगे आदि सभी विद्युतचुंबकीय तरंगे हैं।

मोबाइल नेटवर्क की वजह से इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन काफी होता है और ऐसा माना जाता है कि इसकी वजह से कई नुकसान भी होते हैं। हालांकि इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन से होने वाले नुकसान को लेकर विशेषज्ञों के मत भिन्न हैं। कुछ मानते हैं कि इससे नुकसान होते हैं, जबकि कुछ इसके विपरीत किसी नुकसान की बात को नकारते हैं। आज हम इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन के कारण होने वाले नुकसानों के बारे में बात कर रहे हैं।

क्या कहते हैं शोध

कुछ शोध बताते हैं कि मोबाइल रेडिएशन के लंबे समय तक लगातार संपर्क में बने रहने से कैंसर, ब्रेन ट्यूमर और मिस-कैरेज की आशंका भी पैदा हो सकती है। दरअसल, हमारे शरीर में 70 प्रतिशत पानी होता है और दिमाग में भी 90 प्रतिशत तक पानी ही होता है। और फिर यह पानी धीरे-धीरे बॉडी रेडिएशन को सोखने लगता है और आगे चलकर सेहत के लिए काफी हानिकारक साबित हो सकता है। कुछ समय पूर्व पेश हुई डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार मोबाइल से कैंसर तक होने की आशंका होती है। इंटरफोन स्टडी में कहा गया कि हर दिन आधे घंटे या उससे ज्यादा मोबाइल का इस्तेमाल करने पर 8-10 साल में ब्रेन ट्यूमर की आशंका 200-400 प्रतिशत तक बढ़ सकती है।

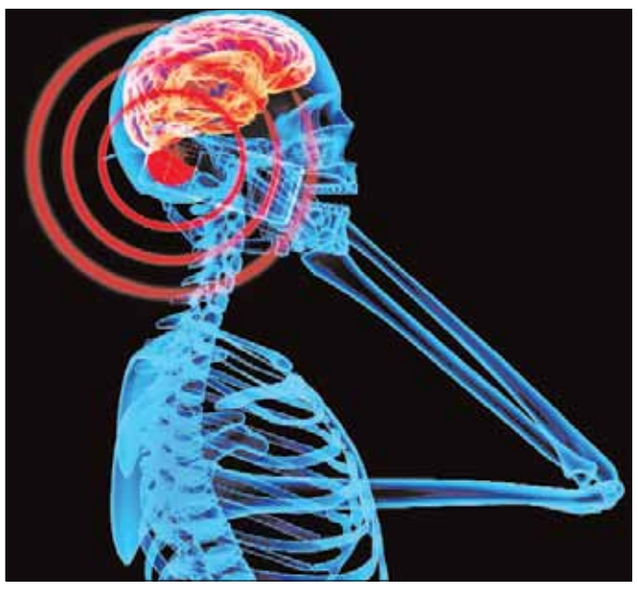

मानव जीवन पर प्रभाव

सरकार की मौजूदा गाइडलाइन ऐसी है जैसे कि किसी इंसान को रोज 19 मिनट तक माइक्रोवेव में भूनें और कहें कि यह सुरक्षित है। विशेषज्ञों का ऐसा मानना है कि रेडिएशन की वजह से सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, नींद न आना, मेमोरी प्रॉब्लम घुटनों का दर्द, हार्मोनल इम्बैलेंस, दिल से संबंधित बीमारियां व आंत में कैंसर तक होने की आशंका रहती है।

दूरी बनाएं रखें

कुछ कंसल्टेंट न्यूरोलॉजिस्ट बताते हैं कि मोबाइल रेडिएशन सभी के लिए नुकसानदेह है लेकिन बच्चे, महिलाएं, बुजुर्गों और मरीजों को इससे ज्यादा नुकसान हो सकता है। अमेरिका के फूड एंड ड्रग्स ऐडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार बच्चों और किशोरों को मोबाइल पर ज्यादा वक्त नहीं बिताना चाहिए और स्पीकर फोन या हैंडसेट का इस्तेमाल करना चाहिए, ताकि सिर और मोबाइल के बीच दूरी बनी रहे।

कुछ अन्य शोधों के परिणाम

- 2010 में डब्ल्यूएचओ द्वारा पेश एक रिसर्च से पता चला कि मोबाइल रेडिएशन से कैंसर होने का जोखिम रहता है।
- हंगरी के शोधकर्ताओं ने अपने एक शोध के दौरान पाया कि जो युवक बहुत ज्यादा सेल फोन का इस्तेमाल करते थे, उनके स्पर्म की संख्या कम हो गई।
- केरल में हुए एक शोध के मुताबिक सेल फोन टॉवरों से होने वाले रेडिएशन से मधुमक्खियों की कमर्शल पॉप्युलेशन 60 प्रतिशत तक कम हो गई है।
- वहीं सेल फोन टावरों के पास जिन गौरेयों (एक प्रकार की घरेलू चिड़िया) ने अंडे दिए, 30 दिन के बाद भी उनमें से बच्चे नहीं निकले, जबकि आमतौर पर इस काम में 10-14 दिन ही लगते हैं।

हेल्थ विद टेस्ट

स्वाद के साथ स्वास्थ्य भी बढ़ाए वनिला

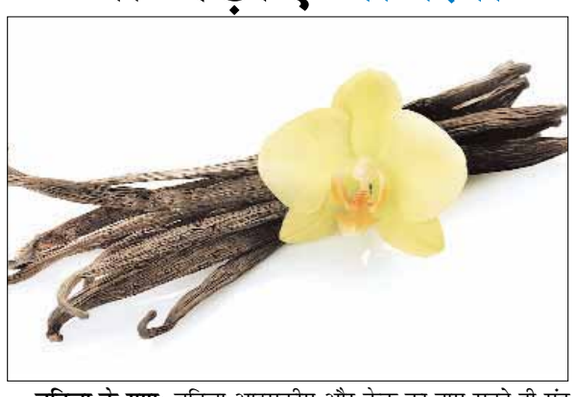

वनिला के गुण: वनिला आइसक्रीम और केक का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। स्वादिष्ट वनिला स्वास्थ्य के लिहाज से भी बहुत फायदेमंद होता है। जी हां, वनिला के पौधों की लताएं दूसरे पेड़ों पर लिपटती हुई बढ़ती हैं। वनिला बींस थोड़ी अलग होती है, जो ऊष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाई जाती हैं। इसका फ्लेवर, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लामेटरी गुण और कैलोरी रहित होना आदि स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है।

एंटी-इंफ्लामेटरी गुण: अदरक की तरह वेनिला में भी एंटी-इंफ्लामेंटरी गुण होते है। जो शरीर को मजबूत बनाते है और उसे रोगाणुओं से लड़ने की प्रतिरोधी क्षमता को बढ़ातें है। वेनिला आइसक्रीम या केक को खाते मन को अच्छी फींलिग्स आती है। असल में वेनिला का सेवन तनाव को दूर करता है। ये मन को खुश होने का अहसास दिलाता है। वेनिला आपके दिमाग को तेज बनाता है, इसके सेवन से व्यक्ति का मेंटल परफार्मेंस अच्छा रहता है।

वजन घटाएं: वेनिला का एक स्वास्थ्य लाभ यह भी होता है कि इसके सेवन से अतिरिक्त वजन घट जाता है। कई रिसर्च और अध्ययनों में यह बात साफ हो चुकी है कि वेनिला के सेवन से शरीर में एक्ट्रा कैलॉरी नहीं आती है लेकिन एनर्जी मिलती है। इसलिए, जिम जाने वाले लोग वेनिला को आराम से खा सकते है। इसे अपनी डाईट में भी शामिल किया जा सकता है। इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में होता है और इसके सेवन से बढ़ती उम्र के प्रभाव भी कम दिखते है।

रोगों में लाभदायक: वेनिला के तेज फ्लेवर से शरीर के नर्वस स्टिम दुरूस्त रहते है। इससे हिस्टीरिया का भी इलाज आसानी से किया जा सकता है। इसके सेवन से जोड़ों के दर्द में भी आराम मिलता है और पाचन की प्रक्रिया में भी आराम मिलती है।

गर्भावस्था में फायदेमंद

गर्भावस्था के दिनों में सुबह के समय मतली और उल्टी आना स्वाभाविक होता है, ऐसे में वेनिला फ्लेवर आपको आराम दिला सकता है। वनिला की महक, गर्भावस्था के दिनों में होने वाली मतली में आराम मिलाती है। आप चाहें तो वेनिला फ्लेवर के केक और चॉकलेट भी खा सकती हैं।

ऑस्टियोपैथी एक प्रकार की वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति है जिससे किसी भी प्रकार की हड्डी की समस्या का उपचार हो सकता है। यह पद्धति भारत में बहुत बाद में आई है। लेकिन इसका प्रयोग अमेरिका और यूरोप में बहुत पहले से होता आया है, इस तकनीक के जरिये ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों में भी हड्डियों का उपचार होता है।

रीढ़ की हड्डी के नीचे के हिस्से में होने वाली बीमारी को ठीक करने में फिजियोथेरेपिस्ट इस तकनीक का प्रयोग करते हैं। यह रीढ़ की हड्डी के चोटों में उपचार में एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपचार है। इस लेख में विस्तार से जानिये ऑस्टियोपैथी के बारे में।

हड्डी रोग में फायदेमंद है ऑस्टियोपैथी

क्या है ऑस्टियोपैथी

यह एक प्रकार की मैनुअल तकनीक है, जिससे शरीर का पूरा सिस्टम प्रभावित होता है। यह होलिस्टिक होती है, जिसमें शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक हर पहलू को शामिल किया जाता है। ऑस्टियोपैथी मरीज के मांसपेशियों, जोड़ों, कनेक्टिव टिश्यू और लिगामेंट्स आदि के जरिए शरीर में ऊर्जा के प्रवाह को सामान्य करता है। इससे शरीर के स्केलेटल, नर्वस रेस्पिरेटरी और इम्यून सिस्टम पर असर पड़ता है। इससे कई तरह की बीमारियों का उपचार हो जाता है।

कैसे करते हैं उपचार

ऑस्टियोपैथी के विशेषज्ञ को ऑस्टियोपैथ बोलते हैं। ऑस्टियोपैथ अपने हाथों का उपयोग करके मरीज की समस्या का इलाज अलग-अलग तकनीक के प्रयोग से करते हैं। इन तकनीकों में सॉफ्ट टिश्यू तकनीक, रिदमिक पैसिव ज्वाइंट मोबिलाइजेशन जैसी तकनीक शामिल हैं। इसके जरिये ही मरीज की समस्याओं का उपचार होता है। ऑस्टियोपैथी से रीढ़ की हड्डी से संबंधित विभिन्न समस्याओं का निवारण और पुनर्वास रणनीतियों में सुधार लाया जा सकता है। यह सर्जनों के लिए बहुत मददगार है, इस तकनीक से मरीजों को अपने पैरों पर खड़ा करने दर्द और विकलांगता से छुटकारा दिलाने में मदद मिलती है।

इन बीमारियों में है प्रभावी

ऑस्टियोपैथी के जरिये गठिया के दौरान होने वाले असहनीय दर्द, डिस्क की समस्याओं, कंधों में दर्द और जकड़न, सिर में होने वाला दर्द, कूल्हे, गर्दन और जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों में खिंचाव, खेल की गतिविधियों के दौरान लगने वाली चोट, टेनिस एल्बो, तनाव, सांस संबंधी समस्याएं, गर्भावस्था के दौरान होने वाली समस्याओं, पाचन क्रिया से जुड़ी समस्याओं के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। इस तकनीक से इन समस्याओं से निजात भी मिल जाती है।

अस्थमा में प्राकृतिक चिकित्सा...

सांस फूलना या सांस ठीक से न लेने का अहसास होना एलर्जी, संक्रमण, सूजन, चोट या मेटाबोलिक स्थितियों की वजह से हो सकता है। सांस तब फूलती है जब मस्तिष्क से मिलने वाला संकेत फेफड़ों को सांस की रफ्तार बढ़ाने का निर्देश देता है। फेफड़ों से संबंधित पूरी प्रणाली को प्रभावित करने वाली स्थितियों की वजह से भी सांसों की समस्या आती है। फेफड़ों और ब्रोंकाइल ट्यूब्स में सूजन होना सांस फूलने के आम कारण है। इसी तरह सिगरेट पीने या अन्य टाक्सिंस की वजह से श्वसन क्षेत्र यानी रेस्पिरेट्री ट्रैक में लगी चोट के कारण भी सांस लेने में दिक्कत आती है। दिल की बीमारियों और खून में ऑक्सीजन का स्तर कम होने से भी सांस फूलती है। इस वजह से आमतौर पर दमा या अस्थमा की बीमारी हो जाती है। जब दमा रोग से पीड़ित रोगी को दौरा पड़ता है तो उसे सूखी खांसी होती है और ऐंठनदार खांसी होती है। इस रोग से पीड़ित रोगी चाहे कितना भी बलगम निकालने के लिए कोशिश करे लेकिन फिर भी बलगम बाहर नहीं निकलता है। दमा रोग प्राकृतिक चिकित्सा से पूरी तरह से ठीक हो सकता है।

दमा होने का कारण

औषधियों का अधिक प्रयोग करने के कारण कफ सूख जाने से दमा रोग हो जाता है। खान-पान के गलत तरीके से,मानसिक तनाव, क्रोध,अधिक भय के कारण भी दमा रोग हो सकता है। खून में किसी प्रकार से दोष उत्पन्न हो जाने, नशीले पदार्थों का अधिक सेवन करने, खांसी, जुकाम और नजला रोग अधिक समय तक रहने से दमा रोग हो सकता है। भूख से अधिक भोजन, मिर्च-मसाले, तले-भुने खाद्य पदार्थों तथा गरिष्ठ भोजन करने से दमा रोग हो सकता है। फेफड़ों में कमजोरी, हृदय में कमजोरी, गुर्दों में कमजोरी, आंतों में कमजोरी तथा स्नायुमण्डल में कमजोरी हो जाने के कारण दमा रोग हो जाता है। मनुष्य की श्वास नलिका में धूल के कण, कुछ पौधों के पुष्परज और ठंड लग जाने के कारण दमा रोग हो सकता है। मल-मूत्र के वेग को बार-बार रोकने से दमा रोग हो सकता है। धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों के साथ रहने या धूम्रपान करने से दमा रोग हो सकता है।

अस्थमा के लक्षण

अस्थमा या दमा रोग से पीड़ित रोगी को रोग के शुरुआती समय में खांसी, सरसराहट और सांस उखड़ने के दौरे पड़ने लगते हैं। दमा रोग से पीड़ित रोगी को वैसे तो दौरे कभी भी पड़ सकते हैं लेकिन रात के समय में लगभग 2 बजे के बाद दौरे अधिक पड़ते हैं। रोगी को कफ सख्त, बदबूदार तथा डोरीदार निकलता है। रोगी को सांस लेने में बहुत अधिक कठिनाई होती है। सांस लेते समय अधिक जोर लगाने पर रोगी का चेहरा लाल हो जाता है।

इनका सेवन करें

दमा रोग से पीड़ित को नारियल पानी, सफेद पेठे का रस, पत्ता गोभी का रस, चुकन्दर का रस, अंगूर का रस, दूब घास का रस पीना बहुत अधिक लाभदायक रहता है। दमा रोग से पीड़ित रोगी यदि मेथी को भिगोकर खायें तथा इसके पानी में थोड़ा सा शहद मिलाकर पिएं तो बहुत अधिक लाभ मिलता है। तुलसी तथा अदरक का रस शहद मिलाकर पीने से दमा रोग में बहुत लाभ मिलता है।

सबसे पहले क्या करें?

दमा रोग से पीड़ित का प्राकृतिक चिकित्सा से उपचार करने के लिए सबसे पहले रोगी को प्रतिदिन नींबू तथा शहद को पानी में मिलाकर पीना चाहिए और फिर उपवास रखना चाहिए। इसके बाद 1 सप्ताह तक फलों का रस या हरी सब्जियों का रस तथा सूप पीकर उपवास रखना चाहिए। फिर इसके बाद 2 सप्ताह तक बिना पका हुआ भोजन करना चाहिए। इसके बाद साधारण भोजन करना चाहिए।

भाप स्नान

दमा रोग से पीड़ित रोगी को रात के समय में जल्दी ही भोजन करके सो जाना चाहिए तथा रात को सोने से पहले गर्म पानी को पीकर सोना चाहिए तथा अजवायन के पानी की भाप लेनी चाहिए। इससे रोगी को बहुत अधिक लाभ मिलता है। दमा रोग से पीड़ित को अपनी छाती पर तथा अपनी रीढ़ की हड्डी पर सरसों के तेल में कपूर डालकर मालिश करनी चाहिए तथा इसके बाद भाप स्नान करना चाहिए। ऐसा प्रतिदिन करने से रोगी का रोग कुछ ही दिनों में ठीक हो जाता है।

दूध से परहेज

दमा रोग से पीड़ित रोगी को कभी भी दूध या दूध से बनी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। दमा रोग से पीड़ित को भोजन में नमक तथा चीनी का सेवन बंद कर देना चाहिए। एक चम्मच त्रिफला को नींबू पानी में मिलाकर सेवन करने से दमा रोग बहुत जल्दी ही ठीक हो जाता है। 1 कप गर्म पानी में शहद डालकर रोज 3 बार पीने से दमा रोग से पीड़ित रोगी को बहुत अधिक लाभ मिलता है।

पेट साफ रखें

दमा रोग से पीड़ित को अपने पेट को साफ रखना चाहिए तथा कभी कब्ज नहीं होने देना चाहिए। रोगी को अपने पेड़ू पर मिट्टी की पट्टी और उसके बाद गुनगुने जल का एनिमा लेना चाहिए। फिर लगभग 10 मिनट के बाद सुनहरी बोतल का सूर्यतप्त जल लगभग 25 मिलीलीटर की मात्रा में प्रतिदिन पीना चाहिए। इस प्रकार की क्रिया को प्रतिदिन नियमपूर्वक करने से दमा रोग कुछ ही दिनों में ठीक हो जाता है।

कारणों को दूर करें

दमा रोग से पीड़ित रोगी को अपने रोग के होने के कारणों को सबसे पहले दूर करना चाहिए और इसके बाद इस रोग को बढ़ाने वाली चीजों से परहेज करना चहिए। फिर इस रोग का प्राकृतिक चिकित्सा से उपचार कराना चाहिए। रोगी को कभी घबराना नहीं चाहिए क्योंकि ऐसा करने से दौरे की तीव्रता बढ़ सकती है।रोगी का उपचार करने के लिए सबसे पहले रोगी को कम से कम 10 मिनट तक कुर्सी पर बैठना चाहिए क्योंकि आराम करने से फेफड़े ठंडे हो जाते हैं। इसके बाद रोगी को होंठों से थोड़ी-थोड़ी मात्रा में हवा खींचनी चाहिए और धीरे-धीरे सांस लेनी चाहिए। इस प्रकार से प्रतिदिन उपचार करने से यह रोग कुछ ही दिनों में ठीक हो जाता है।

जी मिचलाने की परेशानी को दूर करेंगे ये उपाय

कई बार लजीजदार खाने के चक्कर में लोग जरूरत से ज्यादा खा लेता हैं। जो बाद में पचाने में परेशानी होती है। जिससे जी मचलाने और घबराहट की परेशानी होने लगती है। कई बार गलत खान-पान और ज्यादा देर भूखे रहने से भी जी मिचलाने लगता है। दवाइयां खाने से बेहतर है कि कुछ घरेलू उपाय अपना कर भी इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

1. नींबू : नींबू में पाया जाने वाला सिट्रिक एसिड जी मिचलाने से राहत दिलाता है। एक नींबू काटकर इसकी खूशबू लें। यह जी मिचलाने की भावना को कंरता है।

2. पिपरमिंट : पेट में गड़बड़ी होने पर पुदीने खाने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा सूती कपड़े पर पिपरमिंट तेल लगाकर मसूढ़ों पर लगाने से जी मिचलाने की परेशानी दूर हो जाती है।

3. अदरक : अदरक सेहत से जुड़ी बहुत सी परेशानियों को कम करने का काम करता है। जी मिचलाने पर अदरक वाली चाय पीने से भी फायदा मिलता है।

4. बेकिंग सोड़ा : रसोई में इस्तेमाल होने वाला बेकिंग सोड़ा जी मिचलाने का समस्या से राहत दिलाने में मददगार है। जी मिचलाने के लिए आधा छोटा चम्मच बेकिंग सोड़ा पानी में घोलकर पी लें। यह पेट का पी एच एसिड में बदलाव करता है। जिससे घबराहट और जी मिचलाने की परेशानी दूर हो जाती है।

5. मेडिटेशन : यह प्रक्रिया शरीर से जुड़ी बहुत सी समस्याओं पर नियत्रंण रखने का काम करती है। तनाव,घबराहट या फिर किसी तरह की कोई परेशानी महसूस करें तो मेडिटेशन का सहारा लें। इससे आप खुद को तंदुरूस्त महसूस करेंगी।